सप्ताह 6

सोमवार	मॉर्निंग सर्किल टाइम	स्वतंत्र खेल	भाषा और साक्षरता कौशल	
गतिविधि का नाम		कक्षा-कक्ष के 4 स्वतंत्र खेल के कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलना	मौखिक खेल (मैं कौन हूँ)	बिगबुक से कहानी पढ़कर सुनाना एवं उनसे जुड़ी सरल चर्चा करना
उद्देश्य		कक्षा-कक्ष में उपस्थित स्वतंत्र खेल के लिए बनाए गए चार कोनों में रखी गई सामग्रियों द्वारा सर्वांगीण विकास करना	मौखिक खेल के माध्यम से बच्चों को अपनी बात कहने के मौके देना	कहानी सुनकर समझना और सरल चर्चा करना।
तैयारी और सामग्री		कला कोना, किताब कोना, ब्लाक कोना, अभिनय/गुड़िया घर से सम्बंधित सामग्रियाँ	चित्र कार्ड	● बिगबुक से कहानी पहले पढ़ लें। ● कहानी से जुड़े सरल प्रश्नों की सूची बनाएँ।
गतिविधि के चरण	मॉर्निंग सर्किल टाइम में स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जाँच, बच्चों से बातचीत एवं शारीरिक गतिविधियों को प्रत्येक दिवस किया जायेगा। शिक्षक स्वयं से भी अपने अनुभव जोड़ सकते हैं।	● बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद से किसी भी कोने में रखी हुई सामग्री का चयन खेलने के लिए कर सकते हैं। ● आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों को निर्देश दें व बच्चों द्वारा पूछी जा रही जिज्ञासाओं का समाधान करें। ● शिक्षक सभी कोनों पर खेल रहे बच्चों का अवलोकन करते रहें व जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें। ● गतिविधि समाप्त होने पर बच्चों को सभी सामग्रियों को उनके स्थान पर वापस रखने के निर्देश दें व ये सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने सामान सही जगह पर ही रखा हो।	● सभी बच्चे यू आकर में बैठे। शिक्षक कार्ड को उल्टा करके रख दें। ● कोई एक बच्चा आगे आए व एक चित्र कार्ड उठा कर देखा। ध्यान रहे कि यह चित्र कार्ड बाकी बच्चे ने देख पाएँ। ● अब चित्र कार्ड में बने जानवर/फल/वस्तु के बारे में कुछ बताना हैं। उदाहरण के लिए, अगर आम का चित्र आया तो वह बता सकता हैं, यह एक फल है, बहुत मीठा होता हैं, हम इसे गर्मियों के मौसम में खाते हैं इत्यादि। ● यह सुनकर कक्षा के बाकी बच्चों को अंदाज़ा लगाना हैं कि उसके पास जो कार्ड हैं, वह किस चीज़ का हैं, इत्यादि। ● शुरूआत में शिक्षक बोल रहे बच्चों की मदद करें- "अब इसके रंग के बारे में बताओ", इसका आकार कैसा हैं, वह बताओं, यह किस श्रेणी में आता हैं, वह बताओं- फल, जानवर, सब्जी या पक्षी आदि। एक बार बच्चे खेल समझ जाएँ, तो शिक्षक मदद करना छोड़ दें)	● आप बच्चों को एक गोले में बैठा लें और सहज कर लें। ● इसके बाद आप किताब का मुख्य पृष्ठ सभी बच्चों को दिखाएं, और कहानी के बारे में अनुमान लगाने कहें। जैसे- इस चित्र में आपको क्या दिख रहा हैं? यह कहानी किसके बारे में हैं? ● अब आप किताब के सभी पृष्ठों को पलटते जाएँ और पृष्ठों पर बने चित्रों के आधार पर बच्चों से कहानी का अनुमान लगाने को कहें।, साथ ही हाव-भाव से पढें। ● आप कहानी को आदर्श रूप से पठन 2 बार करें। ● बच्चों को यह समझने का मौका दें कि किताब को बाई से दाई ओर पढ़ते हैं। ● अंत में, बच्चों द्वारा चित्रों की मदद से जो अनुमान लगाए गए थे उन पर बातचीत करें। ● कहानी से कुछ चयनित शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर चिपकाएँ और उन्हें पढने का अभ्यास कराएँ।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6 — सोमवार	कला संबंधित गतिविधियां	गणित/ईवीएस/वैज्ञानिक सोच	बाहरी खेल	गुडबाई सर्किल टाइम
गतिविधि का नाम	डॉक्टर, शिक्षक, नाई आदि का अभिनय करना	चॉकोर और त्रिभुज आकृति से पहचान - कक्षा के अंदर आकृतियों को पहचानें और नाम बताएं (कक्षा/ आसपास दिखने वाले वस्तुओं से)	• My Dadaji Song • अपनी परछाई का चित्र बनाएं	शिक्षक बच्चों को कोई एक कहानी सुनाएंगे और उस कहानी के अंत को अधूरा छोड़ देंगे और बच्चों से कहें।गे कि घर जाकर इस कहानी को पूरा करेंगे और विद्यालय में आकर बताएंगे।
उद्देश्य	बच्चों में अभिनय करने की क्षमता का विकास	कक्षा/ आसपास दिखने वाले वस्तुओं से चॉकोर और त्रिभुज आकृति की पहचान	• बच्चों की अंग्रेजी भाषा का विकास • निर्देश सुनकर समझना	बच्चों में सामाजिक एवं भावनात्मक विकास
तैयारी और सामग्री	स्वतंत्र खेल के कोने से डॉक्टर सेट, गुड़िया घर, नाटक का कोना	• चूड़ी, किताब, माचिस की डिब्बी • चॉकोर व तिकोना कटा हुआ मोटा कागज	https://drive.google.com/file/d/18MOEzHlGjaurdEi_KFEDwpdiW0CyqvGt/view • भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड • ब्लूटूथ स्पीकर • चॉक/लकड़ी	इस गतिविधि में किसी भी सामग्री की आवश्यकता नहीं है।
गतिविधि के चरण	• बच्चों से बातचीत करके उनको सहज कर लें। • बच्चों से कहें। कि वे उनको डॉक्टर, शिक्षक, नाई इत्यादि के अभिनय करके दिखाने हैं और एक-दो कामों के अभिनय करके बच्चों को दिखा दें। • बच्चों के दो समूह बना दें और प्रत्येक समूह बारी बारी से डॉक्टर, शिक्षक, नाई इत्यादि के अभिनय करके दिखायेगा। • बाकी बच्चे सभी का उत्साहवर्धन करें।	• सबसे पहले बच्चों को चूड़ी और तिकोना आकार दिखाते हुए उनके आकार के बारे में चर्चा करें • बच्चों को चॉकोर आकार की किताब या माचिस की डिब्बी दिखाते हुए पूछें कि यह क्या है ? • जब बच्चे बता दे तब फिर उनसे पूछें यह कैसा है, इसका आकार कैसा है ? • यदि बच्चे सही जवाब नहीं देते हैं तो सही जवाब तक पहुंचने में उनकी मदद करें। • इसके बाद चॉकोर कटा हुआ मोटा कागज लें और चॉकोर आकार के कट आउट के चारों ओर उँगली फिराते हुए बच्चों को बताएँ कि चॉकोर आकार ऐसा होता है और इसे चॉकोर कहते हैं। • यही प्रक्रिया तिकोनी आकृति के कट आउट के साथ भी करें। • फिर बच्चों से कहें। कि वह कक्षा-कक्ष में घूम-घूम कर देखें कि क्या क्या चॉकोर और तिकोने आकार का है और फिर बड़े गोले में बैठ जाए। • इसके बाद बच्चों से पूछें कि कक्षा-कक्ष में कौन-कौन सी चीजें चॉकोर आकार की हैं और कौन-कौन सी चीजें तिकोने आकार की हैं उसका नाम बताएँ। • बच्चों को उनके घर में कौन-कौन सी चीजें चॉकोर और तिकोनी आकार की हैं ये देखकर आने को कहें।।	• आप बच्चों के साथ गोल घेरे में खड़े होकर भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड दिखाते हुए उनके नाम पूछें और उनकी आवाजों पर चर्चा करें। • फिर आप ब्लूटूथ स्पीकर पर गीत को बजाकर फ्लैश कार्ड दिखाते हुए बच्चों के साथ हाव-भाव से Action Song कराएँ। **अपनी परछाई का चित्र बनाएं** • इस गतिविधि में बच्चे एक दूसरे की परछाई को जमीन पर चॉक या मिट्टी पर छड़ी से बनाएँगे। • शिक्षक गतिविधि को शुरू करने से पहले बच्चों से परछाई के बारे में खुली बातचीत अवश्य करें, जैसे परछाई कब दिखती है और कब नहीं। रात में परछाई क्यों नहीं दिखती है, आदि। • गतिविधि के लिए बच्चों के जोड़े बना दें और बच्चों को निर्देश दें कि जोड़े में बच्चे बारी-बारी से एक-दूसरे की परछाई को जमीन पर चॉक या मिट्टी पर छड़ी से बनाएँगे।	• कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव भाव के साथ करवाएं इसके लिए 5 मिनट का समय दें। • अब आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें और उनको बताएं कि आज हम लोग एक कहानी सुनेगें। • फिर शिक्षक बच्चों को एक कोई भी सरल कहानी सुनीयेंगे और उसके अंत के भाग को अधुरा ही छोड़ देगें और बच्चों से घर पर जाकर इस कहानी को पूरा करके आने को कहें।गें इससे बच्चों में सोचने की क्षमता का विकास होगा। • शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इसमें प्रतिभाग करें।

मंगलवार

सप्ताह 6	मॉर्निंग सर्किल टाइम	स्वतंत्र खेल	भाषा और साक्षरता कौशल	
गतिविधि का नाम		कक्षा-कक्ष के 4 स्वतंत्र खेल के कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलना	परिचित शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना और प्रथम ध्वनि पहचानना (द, प)	शिक्षक और बच्चे मिलकर कहानी को पढ़े (साझा पठन) और परिचित शब्दों को पहचानना (लोगोग्राफिक पठन)
उद्देश्य		कक्षा-कक्ष में उपस्थित स्वतंत्र खेल के लिए बनाए गए चार कोनों में रखी गई सामग्रियों द्वारा सर्वांगीण विकास करना	द और प वर्णों को पहचानने के मौके देना।	• बिगबुक से साझा पठन के मौके देना। • सरल और सामान्य शब्दों को पहचानना और पढ़ने का प्रयास करना।
तैयारी और सामग्री		कला कोना, किताब कोना, ब्लाक कोना, अभिनय/गुड़िया घर से सम्बंधित सामग्रियाँ	वर्ण कार्ड, शब्द कार्ड द और प से शुरू होने वाले परिवेशीय शब्दों की सूची बना ले।	• बिगबुक।
गतिविधि के चरण	मॉर्निंग सर्किल टाइम में स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जाँच, बच्चों से बातचीत एवं शारीरिक गतिविधियों को प्रत्येक दिवस किया जायेगा। शिक्षक स्वयं से भी अपने अनुभव जोड़ सकते हैं।	• बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद से किसी भी कोने में रखी हुई सामग्री का चयन खेलने के लिए कर सकते हैं। • आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों को निर्देश दें व बच्चों द्वारा पूछी जा रही जिज्ञासाओं का समाधान करें। • शिक्षक सभी कोनों पर खेल रहे बच्चों का अवलोकन करते रहें व जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें। • गतिविधि समाप्त होने पर बच्चों को सभी सामग्रियों को उनके स्थान पर वापस रखने के निर्देश दें व ये सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने सामान सही जगह पर ही रखा हो।	• बच्चों को गोले में खड़ा करे। किसी एक वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्द आप बच्चों को बोलें। • जैसे आप "द" वर्ण से कुछ शब्द बच्चों को बोलें। इन शब्दो में कुछ शब्द "द" से शुरू होंगे और कुछ शब्दों में या तो द नहीं होगा या शब्द में कहीं बाद में आएगा। उदाहरण के लिए- दवा, बाद, कदर, पतंग • बच्चों को निर्देश दें की अगर शब्द "द" से शुरू होता है तो बच्चे बैठ जाएंगे। यदि शब्द "द" से शुरू नहीं होता तो बच्चे अपनी जगह पर खड़े रहेंगे। • बिना मात्रा के सरल शब्द लें और यही गतिविधि "प" वर्ण के साथ भी करवाएँ। • इसके बाद बच्चों को "द" और "प" वर्णों को हवा/मिट्टी/पीठ पर उंगली से लिखने का अभ्यास कराएं।	सभी बच्चों को गोल घेरे में आराम से बिठा लें और सहज कर लें। • पिछले दिन हुई चर्चा का दोहराव कुछ प्रश्नों को पूछकर करें। • फिर, आप कहानी को 1 बार आदर्श रूप से पूरे हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं प्रवाह के साथ पढ़ें। पढ़ते समय प्रत्येक पृष्ठ के शब्दों पर बाई से दाई ओर उँगली रखें। • इसके बाद बच्चों को आपके साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें।। पढ़ने के दौरान आप उन जगह पर रूकें, जहाँ बच्चे वाक्य या चित्रों के माध्यम से शब्दों को स्वयं पहचान सकें। किताब को इस तरह से पकड़े की सभी बच्चे शब्दों को देख पाएँ। • आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे- इस कहानी में आगे क्या हुआ होगा? इस कहानी के अंत में हम क्या बदलाव कर सकते है? • अंत में, कक्षा में 8-10 बच्चों का नाम बुलाएँ और उन्हें कहानी में से कोई एक शब्द याद करके कहने को कहें।। इस दौरान, बच्चों ने जो शब्द बोले हैं, उन्हें बोर्ड पर/पिछले दिन बने शब्द चार्ट पर लिखें। • फिर एक-एक करके बच्चों को आगे बुलाएँ और लिखें शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6

मंगलवार	कला संबंधित गतिविधियां	गणित / ईवीएस / वैज्ञानिक सोच	बाहरी खेल	गुडबाई सर्किल टाइम
गतिविधि का नाम	पत्तियों के टुकड़े से कोलाज बनाना	पैटर्न बनाना - तीन आकार के आधार पर	• My Dadaji Song • चोर पुलिस का खेल	शिक्षक बच्चों से मेरे पसंद का खाना क्या है? पर चर्चा करें। बच्चों के अनुभव को शामिल करने के मौके दें।
उद्देश्य	बच्चों की छोटी मांस पेशियों का विकास और कल्पना शीलता का विकास	पैटर्न की अवधारणा की समझ	• बच्चों की अंग्रेजी भाषा का विकास • बच्चे तरह तरह के खेलों में भाग ले पाएँगे, जिससे उनका शारीरिक विकास होगा।	मौखिक भाषा का विकास अभिव्यक्ति की क्षमता
तैयारी और सामग्री	पत्तियों के छोटे-छोटे टुकड़े, लेई / गोंद, चित्र बना हुआ चार्टपेपर	रंगीन कागज या सफेद कागज, रंग, कैंची (आकृति के कट आउट बनाने के लिए चहक टी.एल.एम. सामग्री का उपयोग करें)	https://drive.google.com/file/d/18MOEzHlGjaurdEi_KFEDwpdiW0CyqvGt/view • भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड • ब्लूटूथ स्पीकर	इस गतिविधि में किसी भी सामग्री की आवश्यकता नहीं है।
गतिविधि के चरण	• आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें। • बच्चों को छोटे-छोटे समूहों में बाँटें और पत्तियों के टुकड़े दें। • आप बच्चों को कागज पर किसी बड़ी आकृति का चित्र बनाकर दें और उस पर पत्तियों के टुकड़ों को चिपका कर दिखाएं और बच्चों से भी ऐसा करने को कहें।। • गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों द्वारा बनाए गए कोलाज की प्रशंसा करें।	• शिक्षक वर्ग (चॉकोर), वृत्त (गोला) और त्रिकोण (तिकोना) के आकार की कटी हुई कई आकृतियाँ बनाएं। • इस बात का ध्यान रखें कि सभी कटी हुई आकृतियाँ एक समान हों। शिक्षक दो या अधिक कटी हुई इन आकृतियों का उपयोग करके कोई भी प्रतिरूप बना सकते हैं, जैसे रंगों के आधार पर, आकार के आधार पर आकृतियों के पैटर्न। • बच्चों को शिक्षक द्वारा बनाए गए प्रतिरूप का अनुकरण करने या अपना प्रतिरूप बनाने के लिए कहें।। • प्रतिरूप की समझ, बच्चों को जटिल संख्या की अवधारणाओं और गणितीय कार्यों को सीखने की तैयारी करने में मदद करती है।	• आप बच्चों के साथ गोल घेरे में खड़े होकर भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड दिखाते हुए उनके नाम पूछें और उनकी आवाजों पर चर्चा करें। • फिर आप ब्लूटूथ स्पीकर पर गीत को बजाकर फ्लैश कार्ड दिखाते हुए बच्चों के साथ हाव-भाव से Action Song कराएँ। **चोर पुलिस का खेल** • इस खेल को खेलने के लिए 5-10 बच्चों की जरूरत होती है। • सबसे पहले दो टीम बनाने के लिए टॉस करके यह फैसला लेना होगा कि कौन पुलिस या चोर वाली टीम में होगा। • इसके बाद चोर टीम कहीं छुप जाएगी और पुलिस बनी टीम को उन्हें ढूंढना होगा। • जब पुलिस टीम, चोर टीम के सारे बच्चों को ढूंढ लेगी, तो फिर अगली बार चोर टीम को पुलिस और पुलिस टीम को चोर बनना होता है। • फिर दोबारा एक दूसरे को ढूंढकर खेल इसी तरह जारी रहता है। • सभी बच्चे इस कार्य में भाग लें आप इस बात का ध्यान रखें।	• कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव-भाव के साथ करवाएं इसके लिए 5 मिनट का समय दें। • अब आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें और उनको बताएं कि आज हम लोग अपने पसंद के खाने के बारे में बातचीत करेंगे। • फिर शिक्षक अपने पसंदीदा खाने के बारे में बच्चों को बताएं और फिर बच्चों से भी उनके पसंदीदा खाने के बारे में बताने को कहें।। • शिक्षक बातचीत के दौरान उनके पसंद और नापसंद को भी जानने का प्रयास करें. शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इसमें प्रतिभाग करें।

https://amaravathiteacher.com

बुधवार

सप्ताह 6

	मॉर्निंग सर्किल टाइम	स्वतंत्र खेल	भाषा और साक्षरता कौशल	
गतिविधि का नाम		कक्षा-कक्ष के 4 स्वतंत्र खेल के कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलना	परिचित शब्दों में शामिल ध्वनियों को पहचानना और प्रथम ध्वनि पहचानना (च, अ)	अपनी भाषा में परिवेशीय चित्रों पर चर्चा करना (चित्र पर चर्चा)
उद्देश्य		कक्षा-कक्ष में उपस्थित स्वतंत्र खेल के लिए बनाए गए चार कोनों में रखी गई सामग्रियों द्वारा सर्वांगीण विकास करना	च और अ वर्णों को पहचानने के मौके देना।	चित्र के बारे में अपनी भाषा में बात करना
तैयारी और सामग्री		कला कोना, किताब कोना, ब्लाक कोना, अभिनय/गुड़िया घर से सम्बंधित सामग्रियाँ	वर्ण कार्ड, शब्द कार्ड च और अ से शुरू होने वाले परिवेशीय शब्दों की सूची बना ले।	● चित्र कार्ड ● चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्न पहले से तैयार रखना।
गतिविधि के चरण	मॉर्निंग सर्किल टाइम में स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जाँच, बच्चों से बातचीत एवं शारीरिक गतिविधियों को प्रत्येक दिवस किया जायेगा। शिक्षक स्वयं से भी अपने अनुभव जोड़ सकते हैं।	● बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद से किसी भी कोने में रखी हुई सामग्री का चयन खेलने के लिए कर सकते हैं। ● आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों को निर्देश दें व बच्चों द्वारा पूछी जा रही जिज्ञासाओं का समाधान करें। ● शिक्षक सभी कोनों पर खेल रहे बच्चों का अवलोकन करते रहें व जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें। ● गतिविधि समाप्त होने पर बच्चों को सभी सामग्रियों को उनके स्थान पर वापस रखने के निर्देश दें व ये सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने सामान सही जगह पर ही रखा हो।	● बच्चों को गोले में खड़ा करे। किसी एक वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्द आप बच्चों को बोलें। ● जैसे आप "च" वर्ण से कुछ शब्द बच्चों को बोलें। इन शब्दो में कुछ शब्द "च" से शुरू होंगे और कुछ शब्दों में या तो च नहीं होगा या शब्द में कहीं बाद में आएगा। उदाहरण के लिए- चम्मच, चरखा, काँच, कटहल, ● बच्चों को निर्देश दें की अगर शब्द "च" से शुरू होता है तो बच्चे बैठ जाएंगे। यदि शब्द "च से शुरू नहीं होता तो बच्चे अपनी जगह पर खड़े रहेंगे। ● बिना मात्रा के सरल शब्द लें और यही गतिविधि "अ" वर्ण के साथ भी करवाएँ। ● इसके बाद बच्चों को "च" और "अ" वर्णों को हवा/मिट्टी/पीठ पर उंगली से लिखने का अभ्यास कराएं।	● गतिविधि की शुरूआत आप किसी छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। ● इसके बाद आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रहीचीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में सरल बंद छोर प्रश्न पूछें जैसे- यह चित्र कहाँ का है? चित्र में क्या हो रहा है? ● आप ऐसे 5-6 सवाल पूछ सकते हैं और हर प्रश्न पर 2-3 बच्चों की प्रतिक्रियाएं ले सकते हैं। आप यह भी सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम-से-कम 2 बार बोलने के मौके अवश्य मिलें। ● आप चर्चा को आगे बढ़ाए और कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें जैसे इनमें से कौन-सी वस्तुएँ आपका आस-पास नज़र आती है? आपके मनपसंद चित्र कौन-सा है। ● आप प्रश्न पूछें और बच्चों को जोड़ों में उस प्रश्न पर बातचीत करने के लिए कहें।। आप बच्चों को यह निर्देश दें कि जोड़ों में दोनों ही बच्चों को प्रश्न का उत्तर क्या लगता है, इस पर बात करनी है। ● किन्हीं 2-3 बच्चों को अपना उत्तर सभी के साथ साझा करने के लिए कहें।। कोशिश करें कि हर बच्चे को 1-2 बार पूरी कक्षा में अपने उत्तर को साझा करने के मौके मिले हों।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6	बुधवार			
	कला संबंधित गतिविधियां	**गणित/ईवीएस/वैज्ञानिक सोच**	**बाहरी खेल**	**गुडबाई सर्किल टाइम**
गतिविधि का नाम	मुक्त चित्रकारी	1-10 तक वस्तुओं के साथ और उंगलियों के माध्यम से गिनती करना	• My Dadaji Song • बोरी दौड़	शिक्षक बच्चों से पूछें- मुझे अच्छा कब लगता है और आपको कब कब खुशी मिलती है। बच्चों को उनके मनोभाव व्यक्त करने का मौका दें।
उद्देश्य	बच्चों की छोटी मांस पेशियों का विकास, बौद्धिक विकास	1-10 तक की वस्तुओं की गिनती करना	• बच्चों की अंग्रेजी भाषा का विकास • निर्देश सुनकर समझना	बच्चे अपने अंदर की भावनाओं को अभिव्यक्त कर पाएँगे।
तैयारी और सामग्री	पेंसिल, रंग, कागज, चॉक	इस गतिविधि में किसी भी सामग्री की आवश्यकता नहीं है।	https://drive.google.com/file/d/18MOEzHlGjaurdEi_KFEDwpdiW0CyqvGt/view • भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड • ब्लूटूथ स्पीकर • बोरी/झोला	इस गतिविधि में किसी भी सामग्री की आवश्यकता नहीं है।
गतिविधि के चरण	• बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें। • दी गई सामग्री (पेंसिल, रंग, कागज, चॉक) को कक्षा-कक्ष के बीच में रख दें और बच्चों से अपनी मन पसंद सामग्री उठा कर मनचाहा चित्र बनाने को कहें।। • गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों के द्वारा बनाए गए चित्र के बारे में अपने साथी को बताने को कहें।।	• इस गतिविधि के लिए सबसे पहले बच्चों को ये बताना होगा कि हम सभी के हाथ में कुल 10 अंगुलियाँ होती हैं। • इसके लिए शिक्षक उन्हें पहले अपने हाथ दिखाएँ, साथ ही गिनकर बताएं कि "देखो मेरे हाथ में 10 अंगुलियाँ हैं।" "चलो अब तुम लोग भी अपने हाथ दिखाओ।" साथ ही बच्चों से उन्हें अपनी अंगुलियाँ गिनने को भी कहें।। • बच्चों की उम्र और समझ के अनुसार पहले बच्चे को 5 तक अपनी अंगुलियों पर गिनने को कह सकते हैं, फिर धीरे-धीरे अंगुलियों की संख्या बढ़ा सकते हैं। • ये गतिविधि पहले शिक्षक स्वयं करें और फिर बच्चों को इसे अपने साथ दोहराने को कहें।।	• आप बच्चों के साथ गोल घेरे में खड़े होकर भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड दिखाते हुए उनके नाम पूछें और उनकी आवाजों पर चर्चा करें। • फिर आप ब्लूटूथ स्पीकर पर गीत को बजाकर फ्लैश कार्ड दिखाते हुए बच्चों के साथ हाव-भाव से Action Song कराएँ। **बोरी दौड़** • एक बोरी/झोला लें, जिसकी लम्बाई बच्चे से छोटी हो। • शिक्षक बच्चों को बोरी/झोले के अंदर जाकर बोरी को दोनों हाथों से पकड़ते हुए कूद-कूद कर चलने के लिए कहें।। • इस गतिविधि को पहले शिक्षक स्वयं बच्चों को करके दिखाएं। • बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनकी सहायता करें। • शिक्षक का बच्चों के साथ गतिविधि करना बच्चों पर एक सकारात्मक प्रभाव डालेगा।	• कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव भाव के साथ करवाएं इसके लिए 5 मिनट का समय दें। • अब आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें और उनको बताएं कि आज हम लोग मुझे अच्छा कब लगता है और आपको कब कब खुशी मिलती है पर चर्चा करेंगे। • फिर शिक्षक अपने अनुभवों को बच्चों के साथ साँझा करेंगे और उन्हें भी एक-एक करके अपनी बात रखने का मौका देगें। • शिक्षक बातचीत के दौरान उनके पसंद और नापसंद को भी जानने का प्रयास करें। • शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इसमें प्रतिभाग करें।

सप्ताह 6

बृहस्पतिवार

	मॉर्निंग सर्किल टाइम	स्वतंत्र खेल	भाषा और साक्षरता कौशल	
गतिविधि का नाम		कक्षा-कक्ष के 4 स्वतंत्र खेल के कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलना	अब तक सीखे वर्णों से दो वर्णों को मिलाकर बोलना (अमात्रिक शब्द जैसे/क//प/ कप,/च//र/ चर)	किताबें उलटने-पलटने के मौके देना एवं चित्रों को देखकर कहानी का अनुमान लगाना
उद्देश्य		कक्षा-कक्ष में उपस्थित स्वतंत्र खेल के लिए बनाए गए चार कोनों में रखी गई सामग्रियों द्वारा सर्वांगीण विकास करना	क, प, च, र वर्णों को पहचानने के मौके देना।	किताबों को उलटना-पलटना और उनमें चित्रों द्वारा कहानी का अनुमान लगाना
तैयारी और सामग्री		कला कोना, किताब कोना, ब्लाक कोना, अभिनय/गुड़िया घर से सम्बंधित सामग्रियाँ	• चाक, वर्ण कार्ड, शब्द कार्ड और गतिविधि के लिए उचित जगह। • क, प, च और र से शुरू होने वाले परिवेशीय शब्दों की सूची बना ले।	• बच्चों के स्तर अनुरूप ऐसी कहानियों का चयन करना जिनमे अधिक चित्र हों। • बरखा श्रृंखला की पुस्तकें।
गतिविधि के चरण	मॉर्निंग सर्किल टाइम में स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जाँच, बच्चों से बातचीत एवं शारीरिक गतिविधियों को प्रत्येक दिवस किया जायेगा। शिक्षक स्वयं से भी अपने अनुभव जोड़ सकते हैं।	• बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद से किसी भी कोने में रखी हुई सामग्री का चयन खेलने के लिए कर सकते हैं। • आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों को निर्देश दें व बच्चों द्वारा पूछी जा रही जिज्ञासाओं का समाधान करें। • शिक्षक सभी कोनों पर खेल रहे बच्चों का अवलोकन करते रहें व जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें। • गतिविधि समाप्त होने पर बच्चों को सभी सामग्रियों को उनके स्थान पर वापस रखने के निर्देश दें व ये सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने सामान सही जगह पर ही रखा हो।	• बच्चों को गोले में खड़ा करे। किसी एक वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्द आप बच्चों को बोलें। • कल की गई गतिविधि का दोहराव करवाते हुए "क", "प", "च" और "र" वर्ण की प्रथम ध्वनि से परिचय करवाएँ। • इसके बाद हवा में (बड़े आकार में) "च" और र" वर्ण बनाएं और बच्चों को पहचानने के लिए कहें।। • जमीन या ग्रीन पट्टी पर क, प, च और र को अलग-अलग लिखें और बच्चों को क से क को और प से प को मिलाने को कहें।। • यही गतिविधि "च" और "र" वर्णों के साथ करवाएं। • बच्चों को चाक से ग्रीन पट्टी पर वर्ण बनाने के लिए कहें।। बच्चे जैसे भी वर्ण बनाएँ उसे स्वीकार करें। इस गतिविधि का उद्देश्य वर्ण से परिचय और हाथ संतुलन से से है।	• आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें दें और उनसे किताब में दिए गए चित्रों और शब्दों को देखकर पढने का प्रयास करने कहें।। बच्चों को स्वयं से किताबों का चयन करने दें। • बच्चों को किताबें उलटने-पलटने का समय दें और आपस में बातचीत करने दें। • 2-3 बच्चों से उनकी किताब की कहानी को चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में बताने को कहें।। • बच्चे जैसी भी कहानी बताए, उसको स्वीकार करें। बच्चों को कहानी बताने में सहयोग करें।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6	बृहस्पतिवार				
		कला संबंधित गतिविधियां	गणित/ईवीएस/वैज्ञानिक सोच	बाहरी खेल	गुडबाई सर्किल टाइम
	गतिविधि का नाम	ओरिगेमी (पतंग बनाना), नाव, हवाई जहाज बनाना	वस्तुओं के साथ कम और ज्यादा की अवधारणा	• Fruits Jumping on the Bed • रस्साकशी का खेल	अंकुरण की प्रक्रिया का दोहराव
	उद्देश्य	बच्चों की छोटी मांस पेशियों का विकास और सृजनात्मक विकास	तिकोनी, गोल और चॉकोर आकृति को पहचान कर उनसे पैटर्न बनाना	• बच्चों की अंग्रेजी भाषा का विकास • बच्चे तरह तरह के खेलों में भाग ले पाएँगे जिससे उनका शारीरिक विकास होगा	बच्चों में मानसिक विकास और अभिव्यक्ति की क्षमता
	तैयारी और सामग्री	पुराने अख़बार, रंगीन कागज, क्राफ्ट पेपर	• लाल, पीले और हरे रंग के तिकोनी, गोल और चॉकोर आकृति के कटआउट (अधिक संख्या में)	https://drive.google.com/file/d/1fYNAH38mrQq3RaTBOvVJrOkBvHrFaeeY/view • भिन्न-भिन्न फलों के फ्लैश कार्ड • ब्लूटूथ स्पीकर • एक रस्सी	डिस्पोजल गिलास, कुछ चने और मूंग दाने, मिट्टी और पानी
	गतिविधि के चरण	• अब आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें। • बच्चों को एक-एक कागज़ बाँट दें। • शिक्षक बच्चों को चरणबद्ध तरीके से कागज़ की पतंग बना कर दिखाएँ और अपने पीछे बच्चों से भी इसे दोहराने को कहें।। • गतिविधि समाप्त होने के बाद बच्चों के द्वारा बनायीं गई पतंग की प्रसंशा करें और इसे कक्षा में एक सुरक्षित स्थान पर रख दें।	• इस गतिविधि को करने के लिए शिक्षक बच्चों को गोल, तिकोनी और चॉकोर आकृति के कटआउट देंगे जो एक ही रंग के होने चाहिए। • अब शिक्षक बच्चों को बताएँगे कि आज इन तीन आकारों से पैटर्न बनाने की गतिविधि करेंगे (शिक्षक पहले स्वयं गतिविधि करके बच्चों को दिखाएँ) • गतिविधि के पहले चरण में 2-2 लाल तिकोनी, गोल और चॉकोर आकृति लें व उनसे पैटर्न बनाएँ - 1 लाल तिकोनी, 1 लाल गोल और 1 लाल चॉकोर आकृति फिर 1 लाल तिकोनी, 1 लाल गोल और 1 लाल चॉकोर आकृति • आकृति के पैटर्न बना कर बच्चों को दिखाएँ। • इसके बाद एक-एक करके सभी बच्चों को बुलाएं और उनसे पैटर्न बनाने को कहें।। • शिक्षक इस बात का ध्यान रखें कि पहले चरण में सभी आकार एक ही रंग के होने चाहिए। • दूसरे चरण में तीन आकार तीन अलग-अलग रंगों के होने चाहिए (उदाहरण के लिए-लाल गोल, हरा चॉकोर, पीला तिकोना.... लाल गोल, हरा चॉकोर, पीला तिकोना .... लाल गोल, हरा चॉकोर, पीला तिकोना ...) • शिक्षक ये पैटर्न बना कर बच्चों को दिखाएँ व उन्हें भी स्वयं से इस तरह के अलग-अलग आकार से पैटर्न बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।	• आप बच्चों के साथ गोल घेरे में खड़े होकर भिन्न-भिन्न फलों के फ्लैश कार्ड दिखाते हुए उनके नाम पूछें और चर्चा करें। • फिर आप ब्लूटूथ स्पीकर पर गीत को बजाकर फ्लैश कार्ड दिखाते हुए बच्चों के साथ हाव-भाव से Action Song कराएँ। **रस्साकशी का खेल** • सभी बच्चों से मिलकर टीम से दो लोगों को लीडर के तौर पर चुनें और दोनों लीडर को अपनी-अपनी टीम में बच्चों को शामिल करने को कहें।। • खेल शुरू करने के लिए जमीन पर एक सीधी रेखा बनाएँ। उस रेखा के दोनों तरफ दोनों टीमों को एक रस्सी पकड़कर खड़ा होने को कहें।। • फिर उस रस्सी को दोनों तरफ की टीम अपना पूरा जोर लगाकर अपनी-अपनी तरफ खींचें। • जब कोई एक टीम दूसरी टीम या रस्सी को पूरी तरह से अपने हिस्से में खींच लें, तो उसे विजयी माना जाए। • सभी बच्चे इस कार्य में भाग लें, आप इस बात का ध्यान रखें।	• कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव भाव के साथ करवाएं इसके लिए 5 मिनट का समय दें। • अब आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं, शिक्षक अब गोले के बीच में सामग्री रख दें और सहज करें और उनको बताएं कि आज हम लोग कुछ बोएगें और जानेंगे कैसे एक बीज से पौधा बनता है। • इसके लिए शिक्षक एक डिस्पोजल के गिलास में मिट्टी को भरेगी और फिर उसमें चने या मूंग का दाना डालेगी और बच्चों को भी यह प्रक्रिया दोहराने को बोलेगी। • फिर उन गिलासों को कक्षा में किसी सुरक्षित स्थान पर रखने को कहें।गी और प्रतिदिन उनमे पानी डालने को भी कहें।गीं। • शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे चर्चा में प्रतिभाग करें।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6

शुक्रवार

	मॉर्निंग सर्किल टाइम	स्वतंत्र खेल	भाषा और साक्षरता कौशल	
गतिविधि का नाम		कक्षा-कक्ष के 4 स्वतंत्र खेल के कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलना	शिक्षक द्वारा मौखिक कहानी सुनाना	हवा/मिट्टी/पीठ/पानी पर उंगली से सीखे गए वर्णों की आकृति बनाने का अभ्यास कराना
उद्देश्य		कक्षा-कक्ष में उपस्थित स्वतंत्र खेल के लिए बनाए गए चार कोनों में रखी गई सामग्रियों द्वारा सर्वांगीण विकास करना	कहानी सुनकर समझना और सरल चर्चा करना।	वर्णों की आकृति बनाने का अभ्यास करना
तैयारी और सामग्री		कला कोना, किताब कोना, ब्लाक कोना, अभिनय/गुड़िया घर से सम्बंधित सामग्रियाँ	स्थानीय कहानी आप कहानी पर चर्चा के लिए खुले और बंद छोर के प्रश्न पहले से तैयार करके रखें।	संबंधित वर्णों से शुरू होने वाले परिवेशीय शब्दों की सूची बना लें। मिट्टी / बोर्ड
गतिविधि के चरण	मॉर्निंग सर्किल टाइम में स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जाँच, बच्चों से बातचीत एवं शारीरिक गतिविधियों को प्रत्येक दिवस किया जायेगा। शिक्षक स्वयं से भी अपने अनुभव जोड़ सकते हैं।	• बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद से किसी भी कोने में रखी हुई सामग्री का चयन खेलने के लिए कर सकते हैं। • आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों को निर्देश दें व बच्चों द्वारा पूछी जा रही जिज्ञासाओं का समाधान करें। • शिक्षक सभी कोनों पर खेल रहे बच्चों का अवलोकन करते रहें व जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें। • गतिविधि समाप्त होने पर बच्चों को सभी सामग्रियों को उनके स्थान पर वापस रखने के निर्देश दें व ये सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने सामान सही जगह पर ही रखा हो।	• कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए स्थानीय कविता हाव-भाव सहित गाएँ। • आप कक्षा के बच्चों को गोले घेरे में बैठाएँ। • आप बच्चों को कोई भी स्थानीय कहानी को अपने शब्दों में स्थानीय भाषा में बच्चों को सुनाएँ। • बच्चों का ध्यान बनाएँ रखने के लिए बीच-बीच में बच्चों से कहानी से संबंधित 3-4 सरल एवं तथ्यात्मक (बंद छोर) प्रश्न भी पूछें। • कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें की उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों? • बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए आप खुले छोर के प्रश्न (कल्पना, अनुभव, अनुमान लगाने से जुड़े) भी पूछ सकते हैं लेकिन इन प्रश्नों की संख्या सीमित रखें।	बच्चों को गोले में खड़ा करें। किसी एक वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्द आप बच्चों को बोलें। • कल की गई गतिविधि का दोहराव करवाते हुए स, त, ब और ल वर्ण की प्रथम ध्वनि से परिचय करवाएँ। • इसके बाद हवा में बड़े आकार में 'स' और 'त' वर्ण बनाए और बच्चों को पहचानने के लिए कहें।। • इसके बाद बच्चों को एक-दूसरे की पीठ में 'स' और 'त' वर्ण बनाने और पहचानने को कहें।। यही गतिविधि 'ब' और 'ल' वर्णों के साथ करवाएँ। • बच्चों को हवा में, पानी में, मिट्टी में या चाक से ग्रीन पट्टी पर वर्ण बनाने के लिए कहें।। बच्चे जैसे भी वर्ण बनाए, उसे स्वीकार करें। इस गतिविधि का उद्देश्य वर्ण से परिचय और हाथ संतुलन से है।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6

शुक्रवार

	कला संबंधित गतिविधियां	गणित / ईवीएस / वैज्ञानिक सोच	बाहरी खेल	गुडबाई सर्किल टाइम
गतिविधि का नाम	पहले सुनाई गई कविता या कहानी के आधार पर कोई भी चित्र बनाना	कीट पहचानना और उन पर चर्चा करना (चींटी, मच्छर, घरेलू मक्खी, मधुमक्खी, मकड़ी, तिलचट्टा)	• Fruits Jumping on the Bed • कित-कित का खेल	शिक्षक मनपसंद खेल से सम्बंधित कोई भी चित्र बनाने को कहें।।
उद्देश्य	बच्चों की छोटी मांस पेशियों एवं कल्पनाशीलता का विकास	कीट पहचानना और उनके बारे में जानना	• बच्चों की अंग्रेजी भाषा का विकास • निर्देश सुनकर समझना	बच्चों अपने अंदर की भावनाओं को चित्र बनाकर अभिव्यक्त करना सीखेंगे।
तैयारी और सामग्री	चित्र बनाने हेतु काग़ज, पेंसिल, रबर, शार्पनर एवं क्रेयॉन / रंग इत्यादि	कीटों के चित्र जैसे चींटी, मकड़ी, मच्छर, घरेलू मक्खी, मधुमक्खी, तिलचट्टा आदि।	https://drive.google.com/file/d/1fYNAH38mrQq3RaTBOvVJrOkBvHrFaeeY/view • भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड • ब्लूटूथ स्पीकर • चॉक	कॉपी, पेंसिल,
गतिविधि के चरण	• बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें। • बच्चों को छोटे छोटे समूह में बाँटें और सभी बच्चों को एक-एक काग़ज, पेंसिल, रबर, शार्पनर एवं क्रेयॉन / रंग इत्यादि उपलब्ध करा दें। • अब आप बच्चों को सुनाई गई कहानी या कविता दिलाएँ और फिर बच्चों को सुनाई गई कविता या कहानी पर चित्र बनाने के लिए कहें।। • बीच बीच में बच्चों की मदद करते रहें और जब चित्र बन जायें तो उनको किसी दीवार पर लगा दें। • कहानी या कविता पर बनाए गए चित्रों को देखकर सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करें।	• बच्चों को गतिविधि के लिए एक गोले में बिठाएं • बच्चों को एक-एक करके कीटों के कार्ड दिखाएं और उनके नाम पूछें। • सभी बच्चों से उनके अनुभवों से संबंधित सवाल भी पूछें जैसे यह कैसा दिखता है, इस कीट को आपने कहां-कहां देखा है, यह क्या खाता होगा ? आदि। • सभी बच्चों को एक-एक बार अपनी बात रखने का मौका अवश्य दें। • अंत में सभी बच्चों को गतिविधि से संबंधित चित्र बनाने को कहें।।	• आप QR कोड को स्कैन करके ब्लूटूथ स्पीकर पर गीत को बच्चों के साथ हाव-भाव से करें। • शिक्षक फर्श पर चॉक के साथ लम्बाई में कुछ चॉकोर आकृति बनाएं, जो एक-दूसरे से आपस में जुड़ी हुई हों, जैसे आप 7 चॉकोर आकृति बनाएं और प्रत्येक आकृति में क्रम से संख्याएं लिखें। • अब बच्चे को आकृतियों की ओर मुँह करके खड़ा होने के लिए कहें। और एक छोटा कंकड़ या कागज का गोला किसी भी एक चॉकोर खाने में फेंकने के लिए कहें।। • यदि यह चॉकोर खाने के बाहर चला जाता है तो खेलने वाला बच्चा खेल से बाहर हो जाएगा। उदाहरण के लिए यदि पत्थर संख्या 4 वाली चॉकोर आकृति में गिरता है, तो बच्चे को 1 पैर पर कूदते हुए उस संख्या 4 वाली चॉकोर आकृति तक पहुँचने के लिए कहें।। • शिक्षक बच्चों को अवश्य बताएं कि 1 पैर पर कूदना और साथ में कित-कित-कित बोलना इस खेल का सबसे आवश्यक नियम है।	• कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए आप बच्चों के साथ कोई स्थानीय कविता या गीत पूरे हाव भाव के साथ करवाएं इसके लिए 5 मिनट का समय दें। • बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और सहज करें और उनको बताएं कि आज हम लोग कुछ बातचीत करेंगे। • फिर शिक्षक अपने मन के भावों को बच्चों के साथ साझा करें और उसका चित्र बना कर दिखाएँ। • शिक्षक ऐसा ही बच्चों को भी दोहराने को कहें।. शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इसमें प्रतिभाग करें।

https://amaravathiteacher.com

सप्ताह 6	शनिवार		
	मॉर्निंग सर्किल टाइम	स्वतंत्र खेल	भाषा और साक्षरता कौशल
गतिविधि का नाम		कक्षा-कक्ष के 4 स्वतंत्र खेल के कोनों में स्वतंत्र रूप से खेलना	चलो दोहराएँ - सप्ताह के छठवें दिन, सप्ताह भर की गतिविधियों का दोहराव करवाएँ। शिक्षक अवलोकन या किसी अन्य आयु उपयुक्त माध्यम (जैसे बच्चों से चर्चा करना, उनके लिखित कार्य को देखना आदि) द्वारा बच्चों की प्रगति का आकलन करें। पोर्टफोलियो में बच्चों द्वारा किए गए कार्य को दर्ज करें।
उद्देश्य		कक्षा-कक्ष में उपस्थित स्वतंत्र खेल के लिए बनाए गए चार कोनों में रखी गई सामग्रियों द्वारा सर्वांगीण विकास करना	आवश्यतानुसार गतिविधियों का दोहराव और अवलोकन या किसी अन्य आयु-उपयुक्त माध्यम (जैसे बच्चों से चर्चा करना, उनके लिखित कार्य को देखना आदि) द्वारा बच्चों की प्रगति का आकलन
तैयारी और सामग्री		कला कोना, किताब कोना, ब्लाक कोना, अभिनय/गुड़िया घर से सम्बंधित सामग्रियाँ	● वर्ण कार्ड, शब्द कार्ड, चित्र कार्ड और बिगबुक ● हर बच्चे का एक पोर्टफोलियो बनाए जिसमें उनकी बनाई वस्तुओ (चित्र, मिट्टी की मूर्तियाँ, क्राफ्ट की वस्तुए आदि) को
गतिविधि के चरण	मॉर्निंग सर्किल टाइम में स्वागत, प्रार्थना, स्वच्छता जाँच, बच्चों से बातचीत एवं शारीरिक गतिविधियों को प्रत्येक दिवस किया जायेगा। शिक्षक स्वयं से भी अपने अनुभव जोड़ सकते हैं।	● बच्चे स्वतंत्र रूप से अपनी पसंद से किसी भी कोने में रखी हुई सामग्री का चयन खेलने के लिए कर सकते हैं। ● आवश्यकतानुसार शिक्षक बच्चों को निर्देश दें व बच्चों द्वारा पूछी जा रही जिज्ञासाओं का समाधान करें। ● शिक्षक सभी कोनों पर खेल रहे बच्चों का अवलोकन करते रहें व जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें। ● गतिविधि समाप्त होने पर बच्चों को सभी सामग्रियों को उनके स्थान पर वापस रखने के निर्देश दें व ये सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों ने सामान सही जगह पर ही रखा हो।	● गतिविधि की शुरूआत आप छोटी कविता से करें। बच्चों को चलने-फिरने/ उठने-बैठने का मौका दें। ● सप्ताह में कराई गई गतिविधियों का आवश्यकतानुसार दोहरान करवाएं। इस सप्ताह में उन गतिविधियों को दोहराएँ जिसमें बच्चों को शब्दों में ध्वनियों को तोड़ने-जोड़ने, शब्दों में प्रथम ध्वनि पहचानने (द, प, च, अ) पुस्तको में दोहराएँ जाने वाले सरल और सामान्य शब्दों को देखकर पहचानने के मौके मिलें जैसे- सामान्य शब्दों की प्रथम ध्वनियों को पहचानना, समान वर्णों को मिलाना, बिगबुक से लोगोग्राफ़िक पठन करना आदि। ● जब बच्चे इन गतिविधियों में जुड़े हो, उनके कार्य का अवलोकन करें। आप बच्चों से उनके कार्य के बारे में बात भी कर सकते है जैसे आप क्या बना रहे हो? आपने क्या लिखा है? आज आप क्या खेलोगे? आदि। इस तरह गतिविधियों के दौरान अवलोकन एवं चर्चा के आधार पर बच्चों का आकलन करें। ● बच्चों की बनाई वस्तुओं को उनके पोर्टफोलियो में दर्ज करें। पोर्टफ़ोलियो बच्चों के काम का संग्रह है जो बच्चे की प्रगति, सफलताओं, रचनात्मक विकास आदि का प्रदर्शन है। समय-समय पर बच्चों का पोर्टफोलियो उनके माता-पिता से साझा करें

https://amaravathiteacher.com

शनिवार

सप्ताह 6

	कला संबंधित गतिविधियां	गणित / ईवीएस / वैज्ञानिक सोच	बाहरी खेल	गुडबाई सर्किल टाइम
गतिविधि का नाम	चलो दोहराएँ	साप्ताहिक पुनरावृत्ति	• Fruits Jumping on the Bed • बच्चों का मनपसंद खेल	मेरी बात, जो मुझे बनाती है खास
उद्देश्य	बच्चों में छोटी मासपेशियों व कल्पनाशीलता का विकास	शिक्षक इस सप्ताह कराई गई सभी गतिविधियों की पुनरावृत्ति बच्चों से करवाएंगे। ● चॉकोर और त्रिभुज आकृति से पहचान (कक्षा / आसपास दिखने वाले वस्तुओं से) ● 1-10 तक गिनती करना - वस्तुओं के साथ ● कीट पहचानना और उन पर चर्चा करना ● पैटर्न बनाना - तीन आकार के आधार पर गतिविधियाँ	• बच्चों की अंग्रेजी भाषा का विकास • बच्चों में शारीरिक और मानसिक विकास होना	बच्चों में मानसिक विकास और अभिव्यक्ति की क्षमता
तैयारी और सामग्री	ए-4 साइज कागज, रंग, पेंसिल, रबर	● गतिविधि के अनुसार सामग्रियों की व्यवस्था व तैयारी करें।	https://drive.google.com/file/d/1fYNAH38mrQq3RaTBOvVJrOkBvHrFaeeY/view ● भिन्न-भिन्न जानवरों के फ्लैश कार्ड ● ब्लूटूथ स्पीकर	इस गतिविधि में किसी भी सामग्री की आवश्यकता नहीं है।
गतिविधि के चरण	● सप्ताह में कराई गई गतिविधियों का आवश्यकतानुसार दोहरान करवाएं। ● बच्चों की बनाई वस्तुओं को उनके पोर्टफोलियो में दर्ज करें।	बच्चों को गतिविधि के अनुसार सरल भाषा में निर्देश दें व आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें ।	● आप बच्चों के साथ गोल घेरे में खड़े होकर भिन्न-भिन्न फलों के फ्लैश कार्ड दिखाते हुए उनके नाम पूछें और चर्चा करें। ● फिर आप ब्लूटूथ स्पीकर पर गीत को बजाकर फ्लैश कार्ड दिखाते हुए बच्चों के साथ हाव-भाव से Action Song कराएँ। **बच्चों का मनपसंद खेल** ● आप सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठा दें। आज की गतिविधि के बारे मे बताएं। कि आज आप लोग अपने-अपने पसंद का खेल खेलो। ● आप बच्चों से बातचीत करें। आप कौन-कौन सा खेल खेलते हो ? आपको कौन-से खेल पसंद हैं? आदि। इसके बाद आप बच्चों से कहें। आप इस बात का ध्यान रखें कि सभी बच्चे खेल रहे हों।	● आपको अपने बारे में कोई खास बात बतानी है, जो आप कर सकते हैं। ● मुझे झाड़ू लगाना आता है, मुझे बहुत सारी कविताएँ आती हैं, आदि। ● बच्चों को अपनी खास बातों के बारे में अभिनय करते हुए बताने का अवसर दें।

बाल वाटिका

https://amaravathiteacher.com

सुबह

1

सोचिए-बोलिए

AP SCERT

बातचीत के लिए :-

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
2. किसान क्या कर रहा है ?
3. लोग क्या कर रहे हैं ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. सुबह के समय प्रकृति की सुंदरता का अनुभव कर सकेंगे । (CG-1)
2. छात्र अपने जीवन में सबेरे जागने के महत्व को पहचान सकेंगे । (CG-1)
3. निज जीवन में अपने कार्य उत्साहपूर्वक कर सकेंगे । (CG-1)
4. छात्र सुबह पाठ पढ़कर उसके मुख्य विचारों को समझ सकेंगे (CG-2)
5. छात्र मेहनत या सुबह की दिनचर्या पर एक अनुच्छेद लिख सकेंगे।(CG-3)

https://amaravathiteacher.com

सुबह

विषय प्रवेश

मानव जीवन में प्रकृति का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रकृति के हर एक अंश से हमें कोई-न-कोई प्रेरणा मिलती है। प्रेरणा पाकर हम अपना कार्य उत्साह के साथ करते हैं। इस कविता में समाज की गतिविधियों को प्रकृति के साथ जोड़कर उनका सुंदर वर्णन किया गया है।

1. सूरज की किरणें आती हैं,
सारी कलियाँ खिल जाती हैं,
अंधकार सब खो जाता है,
सब जग सुंदर हो जाता है।

2. चिड़ियाँ गाती हैं मिलजुल कर,
बहते हैं उनके मीठे स्वर,
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी
चलती है जैसे मस्तानी।

3. खो देते हैं आलस सारा,
और काम लगता है प्यारा।
सुबह भली लगती है उनको,
मेहनत प्यारी लगती जिनको।

4. मेहनत सबसे अच्छा गुण है,
आलस बहुत बड़ा दुर्गुण है,
अगर सुबह भी अलसा जाए,
तो क्या जग सुंदर हो पाए।

1. कलियाँ कब खिलती हैं ?
2. सबसे अच्छा गुण क्या है ?

APSCERT

https://amaravathiteacher.com

कवि परिचय :-

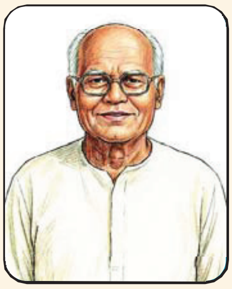

कवि का नाम : श्री प्रसाद

जीवन काल : सन् 1932 - सन् 2012

प्रमुख कृतियाँ : 'मेरा साथी घोड़ा', 'खिड़की से सूरज' आदि ।

प्राप्त पुरस्कार : बाल साहित्य, भारती सम्मान आदि ।

कविता का सारांश

'सुबह' कविता के कवि श्री प्रसाद कहते हैं कि - सूरज की किरणें आते ही कलियाँ खिलती हैं । अंधकार मिटने के बाद जग सुंदर दिखता है । चिड़ियों के मीठे स्वर, सुहानी हवा मन को खुश कर देती है ।

मेहनत करने वालों को सुबह प्यारी लगती है । वे आलसीपन को छोड़कर अपने काम में लग जाते हैं । अगर सुबह भी आलसी हो जाये तो हम इस जग की सुंदरता को नहीं देख पायेंगे । इसलिए हमें आलसी न बनकर, मेहनत करके जग को सुंदर बनाना है ।

AP SCERT

श्रुतलेख :-

सूरज	किरण	कलियाँ	अंधकार	मेहनत
अच्छा	दुर्गुण	प्यारी	ठंडी	सुंदर

शब्दार्थ

जोश	= ఉత్సాహము, उत्साह, Excitement	भली	= మంచి, अच्छी, Well
सुंदर	= అందమైన, खूबसूरत, Beautiful	कली	= మొగ్గ, अंकुर, Bud
मेहनत	= శ్రమ, परिश्रम, Hardwork	आलस	= బద్దకం, सुस्त, Lazyness
सुहानी	= అహ్లాదకరమైన, रोचक, Pleasant vices		
दुर्गुण	= చెడు గుణాలు, बुरे गुण, Bad qualities		

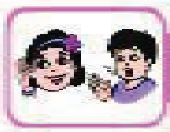

सुनिए-बोलिए

1. जग सुंदर कब बनता है ?
2. अगर सुबह न होती तो क्या होता ?
3. अच्छे गुण क्या - क्या हैं ?

https://amaravathiteacher.com

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. मेहनत प्यारी लगती जिनको । ( )
2. सुबह भली लगती है उनको, ( )
3. खो देते हैं आलस सारा, (1)
4. और काम लगता है प्यारा। ( )

आ) पाठ पढ़कर उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए ।

1. सूरज की .... आती हैं, सारी .... खिल जाती हैं ।
2. .... सबसे अच्छा गुण है, आलस बहुत बड़ा .... है ।
3. ठंडी - ठंडी .... सुहानी, चलती है जैसे .... ।
4. खो देते हैं .... सारा, और .... लगता है प्यारा ।
5. अगर सुबह भी .... जाए, तो क्या जग .... हो पाए ।

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. अंधकार सब खो जाता है, ...
2. ठंडी-ठंडी हवा सुहानी, ...
3. खो देते हैं आलस सारा, ...
4. सुबह भली लगती है उनको, ...
5. चिड़िया गाती हैं मिलजुलकर, ...

ई) पद्यांश पढ़कर विकल्पों में से प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर कोष्टक में लिखिए ।

फ़सल धान की खेतों में महके,
राह घाट हरियाली लहके,
मन किसान का गाए-चहके,
देख-देख मेघों तक पानी,
बादल दानी, बादल दानी,
खूब झमाझम बरसो पानी । - **बाबूलाल शर्मा 'प्रेम'**

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

1. खेतों में क्या महकता है ? ( )

(A) काला धान (B) फ़सल धान (C) पैसा धान (D) मोती धान

2. हरियाली कहाँ लहकती है ? ( )

(A) मैदानों में (B) पहाड़ों में (C) घर में (D) राह घाट में

3. किसका मन गाता है ? ( )

(A) किसान का (B) पक्षी का (C) बूढ़े का (D) बच्चे का

4. बादल से पानी कैसे बरसता है ? ( )

(A) चम-चम (B) धना-धन (C) छम-छम (D) झमाझम

5. 'बादल दानी' कविता के कवि कौन हैं? ( )

(A) बाबूराव (B) बाबूलाल गुप्त (C) बाबूलाल शर्मा 'प्रेम' (D) बाबूलाल दयाल

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. सूरज के उगने से प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं ?
2. कवि ने चिड़ियाँ और हवा का वर्णन कैसे किया है ?
3. मेहनत करनेवालों को सुबह क्यों प्यारी लगती है ?
4. कवि श्री प्रसाद जी के बारे में अपने शब्दों में लिखिए ।
5. इस कविता में सुबह का जो चित्रण किया गया है, वह आपको कैसा लगा? कारण सहित लिखिए ।
6. कवि के अनुसार सुबह मनुष्य के जीवन में कौन-सी अच्छी भावनाएँ और मूल्यों को जागृत करती है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

आ) "सुबह" कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

भाषांश

अ) रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

तम, अंधेरा, परिश्रम, प्रेम, चाह, सबेरा, कामचोर, प्रातः , सुस्त, श्रम,

1. **<u>सुबह</u>** का वातावरण सुहावना होता है । प्रातः, ... सबेरा ....
2. **<u>आलस</u>** बड़ा दुर्गुण है । ...., ...
3. माँ बच्चों से **<u>प्यार</u>** करती है । ...., ...
4. मुझे **<u>अंधकार</u>** से डर लगता है । ...., ...
5. **<u>मेहनत</u>** की कमाई मीठी होती है ।............, ...

आ) रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. राजू <u>मेहनत</u> करता है तो रघु आराम लेता है । <u>मेहनत</u> × <u>आराम</u>
2. रवि <u>सुबह</u> स्कूल जाकर शाम को लौटता है । ....×.........
3. मुझे <u>अंधेरे</u> में ड़र लगता है, प्रकाश में नहीं । ....×.........
4. लड्डू <u>मीठा</u> होता है, करेला कड़ुआ होता है । ....×.........
5. <u>अच्छा</u> काम करने से आदर मिलता है, बुरा काम करने से नहीं । ....×.........

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

सु	ब	ह	का	म
सू	र	ज	सुं	ख
न	भ	गी	द	चि
क	ली	सा	र	डि
आ	ल	स	ब	या

उदा : सुबह

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अनुवादः मातृभाषा में अनुवाद कीजिए ।

1. सावन में बारिश होती है । ....
2. बारिश में भीगना अच्छा लगता है । ....
3. पानी में हम कागज़ के नाव चलाते हैं । ....
4. बारिश का मौसम हरा - भरा रहता है । ....
5. बारिश में भीगने से बीमार पड़ते हैं । ....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

अ) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।

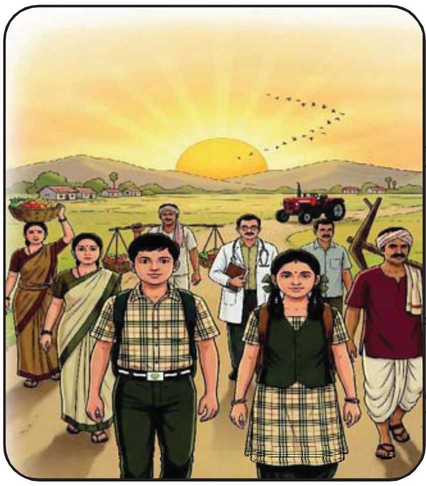

1...

2...

3...

4...

5...

परियोजना कार्य

सुबह से शाम तक आप क्या - क्या काम करते हैं, उसकी तालिका बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. **सूरज** सोने-सा चमकता है ।
2. **कलियाँ** खिली हैं ।
3. **बचपन** खेल-कूद में बीता ।
4. रोज **दूध** पीना चाहिए ।
5. **कक्षा** में छात्र हैं ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **सूरज, कलियाँ, बचपन, दूध** और **कक्षा** जैसे शब्द किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव के बारे में बताते हैं । ऐसे शब्दों को 'संज्ञा' कहते हैं । संज्ञा के पाँच भेद हैं । वे हैं -

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** : किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, वस्तु की जानकारी देनेवाला शब्द ।
   उदा : रमेश, गीता, अमरावति आदि ।
2. **जातिवाचक संज्ञा** : किसी संपूर्ण जाति की जानकारी देनेवाला शब्द ।
   उदा : लड़का, गाय, मेज़ आदि ।
3. **भाववाचक संज्ञा** : किसी गुण, स्वभाव आदी की जानकारी देनेवाला शब्द ।
   उदा : मिठास, क्रोध, बुढ़ापा आदि ।

https://amaravathiteacher.com

4. **द्रव्यवाचक संज्ञा** : किसी द्रव्य या विभिन्न धातुओं की जानकारी देनेवाला शब्द ।
उदा : घी, पानी, सोना आदि ।

5. **समुदायवाचक संज्ञा**: किसी विशेष समुदाय या समूह की जानकारी देनेवाला शब्द ।
उदा : मेला, सभा, गुच्छा, सेना आदि ।

अ) दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए और लिखिए ।

1. भारत सुंदर देश है । ....
2. लड़की गीत गाती है । ....
3. उसकी आवाज़ में मिठास है । ....
4. मुझे पानी चाहिए । ....
5. सेना देश की रक्षा करती है । ....

AP SCERT

लंबसिंगी

दक्षिण भारत में एक ऐसा प्रांत है, जहाँ सर्दी के मौसम में बर्फ गिरती है । 'लंबसिंगी' नामक यह गाँव 'आंध्रा कश्मीर' के नाम से जाना जाता है । यह एक पहाड़ी प्राँत है, जो चिंतपल्लि मंडल में है । यह प्राँत विशाखपट्टणम से 100 कि.मी. की दूरी पर है । यह प्राँत पर्यटकों को अलौकिक अनुभूति प्रदान करता है ।

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को श्री प्रसाद की अन्य रचनाओं से परिचित करवाइए ।

https://amaravathiteacher.com

K1M4U7

तेनालीराम की चतुराई

2

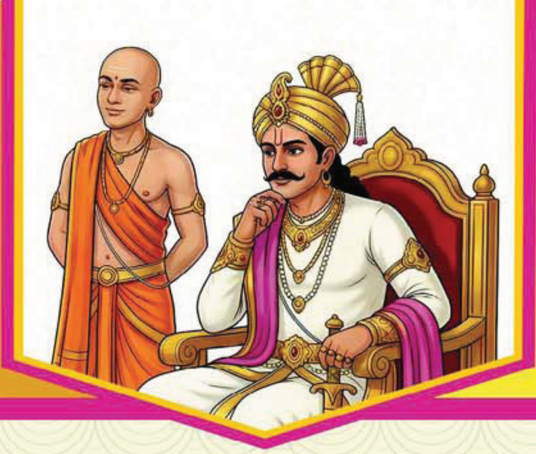

सोचिए-बोलिए

AP SCERT

बातचीत के लिए :-

1. अध्यापिका ने श्यामपट पर क्या खींचा ?
2. अध्यापिका ने छात्र से क्या कहा ?
3. बालक ने क्या किया ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. छात्र समस्या समाधान की योग्यता प्राप्त कर सकेंगे ।(CG-1)
2. छात्र तेनालीराम की चतुराई पर एक अनुच्छेद लिख सकेंगे । (CG-3)
3. छात्र तार्किक चिंतन का विकास कर सकेंगे । (CG-1)
4. अतिथियों का आदर सम्मान कर सकेंगे । (CG-1)
5. सर्वनाम की परिभाषा और प्रकारों को सोदाहरण समझ सकेंगे । (CG-2)

https://amaravathiteacher.com

विषय प्रवेश

समस्या का समाधान निकालना मनुष्य का विशेष गुण है । इस पर उसकी सफलता निर्भर रहती है । साथ-ही-साथ वह चतुर और समझदार हो तो उसे उत्तम व्यक्तियों में गिना जाता है । आज हम इस कहानी के द्‌वारा ऐसे ही एक व्यक्ति के बारे में जानेंगे।

तेनालीराम की चतुराई

विजयनगर राज्य के राजा श्रीकृष्णदेवराय थे । उनकी सभा का नाम 'भुवनविजयम' था । उनकी सभा में 'अष्टदिग्गज' नामक आठ कवि रहते थे । उनमें से तेनालीराम बहुत ज्ञानी और चतुर व्यक्ति थे । वे अपनी होशियारी से हर समस्या का हल निकाल लेते थे । इसलिए लोग उन्हें 'विकटकवि' भी कहते थे ।

एक दिन राजा कृष्णदेवराय ने राज्य के प्रमुख व्यक्तियों को अपने महल में भोजन के लिए बुलाया । अतिथियों को सोने की थालियों में भोजन परोसा गया । सोने के बर्तनों को देखकर एक अतिथि का मन ललचाया । उसने चुपके से एक चम्मच को उठाकर अपनी जेब में रख लिया । राजा कृष्णदेवराय तथा तेनालीराम ने अतिथि को चम्मच जेब में रखते हुए देख लिया था । राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को संकेत किया । तेनालीराम तुरंत समझ गये कि अतिथि का अपमान किये बिना ही चम्मच निकलवाना है ।

1. श्रीकृष्णदेवराय किस राज्य के राजा थे ?
2. अतिथि का मन क्यों ललचाया ?

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

जब सब लोगों ने भोजन कर लिया तो तेनालीराम अपने स्थान पर खड़े होकर बोले, ''सज्जनों ! अब आप सबके मनोरंजन के लिए मैं एक जादू का खेल दिखाऊँगा । देखिए, मैं यह सोने का चम्मच अपनी जेब में रखूँगा और आप लोगों में से किसी एक आदमी की जेब से निकालूँगा ।''

तेनालीराम ने चम्मच अपनी जेब में रख ली । फिर उन्होंने आँखें बंद की और कोई मंत्र पढ़ने का बहाना बनाया । थोड़ी देर बाद उन्होंने अपनी आँखें खोली और कहा - ''अब चम्मच मेरी जेब में से किसी और की जेब में चला गया है । देखते हैं कि किसकी जेब में है ।'' इतना कहकर तेनालीराम बारी-बारी से हर अतिथि के पास जाते और मन ही मन मंत्र पढ़ने का बहाना बनाते ।

अंत में वे चम्मच छुपाये हुए व्यक्ति के पास जाकर बोले - ''मित्र, मेरा जादू बता रहा है कि चम्मच आपकी जेब में है । कृपया आप अपनी जेब देखिए ।'' अतिथि के पास बचने का कोई उपाय न था । न चाहते हुए भी उसे अपनी जेब में हाथ डालना पड़ा । उसने जेब से चम्मच निकाला और तेनालीराम को दे दिया । सभी अतिथियों ने तेनालीराम के जादुई चमत्कार को देखकर तालियाँ बजाईं । राजा कृष्णदेवराय तेनालीराम की चतुराई से बहुत खुश हुए । उन्होंने तेनालीराम की खूब प्रशंसा की और ढ़ेर सारे इनाम भी दिये ।

3. तेनालीराम ने जादू क्यों करना चाहा ?

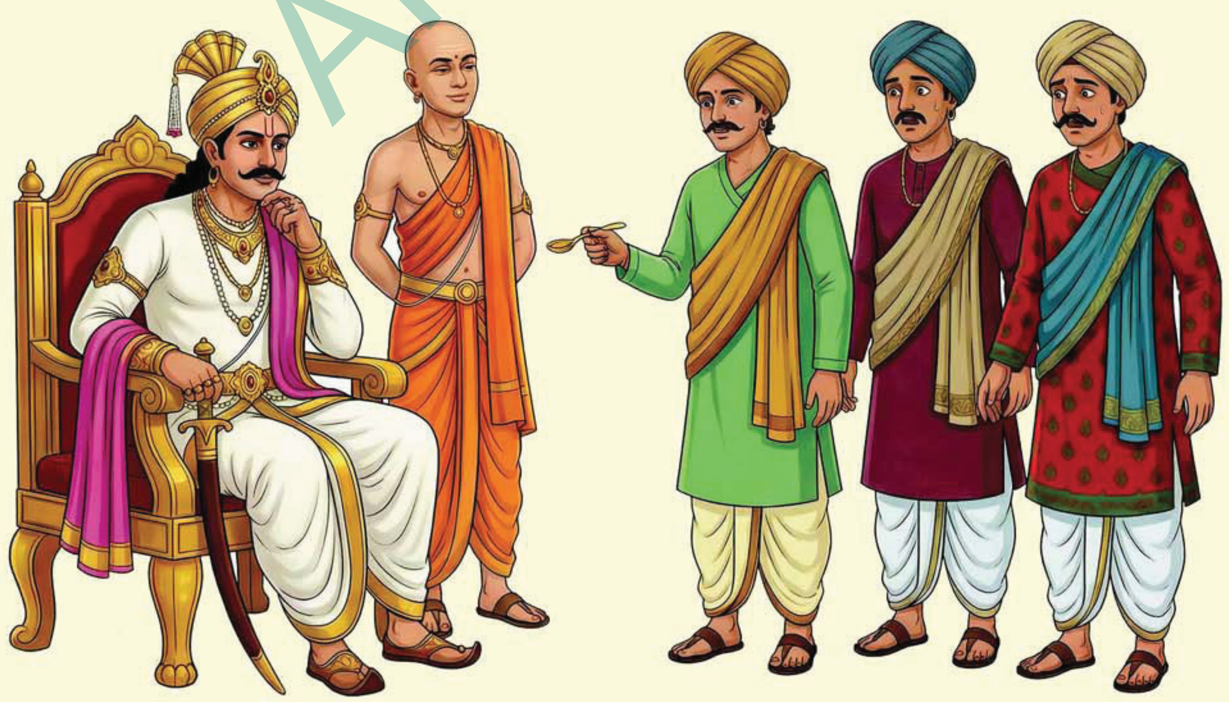

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

पाठ के मुख्य बिंदु

- विजयनगर राज्य के राजा श्रीकृष्णदेवराय थे ।
- उनके दरबार के अष्टदिग्गजों में तेनालीराम भी एक थे । वे अत्यंत ज्ञानी और चतुर थे ।
- एक दिन राजा ने नगर के प्रमुख व्यक्तियों को महल में भोजन पर आमंत्रित किया था ।
- उन अतिथियों को सोने के बर्तनों में भोजन परोसा गया ।
- एक अतिथि ने लालच में आकर सोने के चम्मच को अपनी जेब में रख लिया ।
- राजा और तेनालीराम ने उस अतिथि का अपमान किये बिना ही चम्मच निकलवाना चाहा ।
- तेनालीराम जादू दिखाने के बहाने होशियारी से अतिथि की जेब से चम्मच निकलवाया ।
- सभी अतिथियों ने तेनालीराम के जादूई चमत्कार को देखकर तालियाँ बजाईं ।
- राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम की चतुराई की प्रशंसा की और इनाम भी दिये ।

AP SCERT

श्रुतलेख :-

श्रीकृष्णदेवराय	होशियारी	चमत्कार	अष्टदिग्गज	चम्मच
सज्जन	भुवनविजयम	मनोरंजन	जादुई	थाली

शब्दार्थ

चतुर = తెలివైన, कुशल , Clever	तालियाँ = చప్పట్లు, करताल ध्वनियाँ,Claps
ढेर = కుప్పలు, राशि, Heaps	प्रशंसा = ప్రశంసించుట, स्तुति, Praise
अतिथि = అతిథి, मेहमान, Guest	तुरंत = తక్షణమే, झटपट, Immediately,
इनाम = బహుమతి, पुरस्कार, Reward	बर्तन = పాత్రలు, भोजन के पात्र, Utensils
सज्जन = మంచివాడు, सत्पुरुष, Gentleman	मनोरंजन = వినోదం,दिल-बहलाव, Entertainment

सुनिए-बोलिए

1. तेनालीराम के बारे में आप क्या जानते हैं ?
2. श्रीकृष्णदेवराय ने तेनालीराम को इशारा क्यों किया होगा ?
3. श्रीकृष्णदेवराय ने तेनालीराम को इनाम क्यों दिया ?

https://amaravathiteacher.com

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. विजयनगर राज्य के राजा श्रीकृष्णदेवराय थे । (**हाँ**)
2. श्रीकृष्णदेवराय के अष्टदिग्गजों में बीरबल एक थे । (   )
3. अतिथियों को सोने की थालियों में भोजन परोसा गया । (   )
4. तेनालीराम ने शतरंज के खेल का आयोजन किया । (   )
5. तेनालीराम ने चम्मच अपनी थैली में रख ली । (   )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. .... की सभा में .... नामक आठ कवि रहते थे ।
2. राजा .... ने तेनालीराम को .... किया ।
3. तेनालीराम ने आँखें बंद की और कोई ....पढ़ने का .... बनाया ।
4. अतिथि का .... किये बिना ही .... निकलवाना है ।
5. राजा ने तेनालीराम की खूब .... की और ढेर सारे .... भी दिये ।

APSCERT

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. राजा श्रीकृष्णदेवराय ने राज्य के ....
2. सोने के बर्तनों को देखकर ....
3. उनकी सभा में 'अष्टदिग्गज' ....
4. तेनालीराम तुरंत समझ गये कि ....
5. अतिथि के पास बचने का ....

ई) गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

राजू और रवि दोनों मित्र थे । दोनों रास्ते से जा रहे थे । रास्ते में राजू को सोने के सिक्कों की लाल थैली मिली । उसने कहा - 'मुझे धन की थैली मिली ।' तब रवि ने कहा - 'हम दोनों मिलकर सफ़र कर रहे हैं । इसलिए यह हमारी थैली है ।' तब राजू ने कहा - 'यह मेरी थैली है । मुझे मिली है ।' कुछ देर बाद उस रास्ते से एक राजा की सेना आयी । राजू के हाथ में लाल थैली देख कर एक सैनिक ने कहा - 'यही वह चोर है । इसे पकड़ लो ।' तब राजू ने कहा - 'हम मुसीबत में फँस गए ।' तब रवि ने कहा - 'हम नहीं तुम मुसीबत में फँसे हो ।'

https://amaravathiteacher.com

1. दो मित्र कहाँ से जा रहे थे ?

....

2. रास्ते में राजू को क्या मिली ?

....

3. किसकी सेना आयी ?

....

4. कौन मुसीबत में फँस गया ?

....

5. रवि ने क्या कहा ?

....

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. विकटकवि किन्हें कहते हैं और क्यों ?
2. भोजन के बाद तेनालीराम ने अतिथियों से क्या कहा ?
3. तेनालीराम ने सोने का चम्मच कैसे निकलवाया ?
4. इस पाठ में तेनालीराम की चतुराई आपको कितनी रोचक लगी ? अपने शब्दों में लिखिए ।
5. तेनालीराम की चतुराई कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

आ) "तेनालीराम की चतुराई" पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

AP SCERT

भाषांश

अ) रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

पुरस्कार, इंद्रजाल, उपहार, निर्देश, प्रवीण, आदर, कुशल, गौरव, संकेत, चमत्कार

1. शिक्षक ने सही उत्तर पर इनाम दिया ।

......................, ...

2. हमें अतिथि का सम्मान करना चाहिए ।

......................, ...

3. बच्चों को जादू देखना बहुत पसंद है ।

......................, ...

https://amaravathiteacher.com

4. रानी बहुत चतुर लडकी है ।

....................., ...

5. बुद्धिमान को इशारा काफी होता है ।

....................., ...

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. अतिथियों का सम्मान करना चाहिए अपमान नहीं । सम्मान × अपमान
2. अध्यापिका जी कठिन शब्दों को आसान तरीके से समझाती हैं ।.........× ....
3. कोशिश करने पर हर समस्या का समाधान मिलता है । ....× ....
4. कोई भी काम विश्वास के साथ करना चाहिए न कि अविश्वास के साथ ।........× ....
5. मेरा गीत सुनकर कुछ लोग प्रसन्न हुए और कुछ लोग अप्रसन्न हुए ।.......× ....

इ) दिए गए वाक्यों के उत्तर शब्द तालिका में पहचानकर '◯' लगाइए ।

1. राज्य का पालन यह करता है ।
2. इन्हें 'विकटकवि' कहते हैं ।
3. 'इंद्रजाल' शब्द का अर्थ है ।
4. 'संकेत' शब्द का अर्थ है ।
5. राजा यहाँ रहता है ।

वा	जा	दू	ते	रा
म	ह	ल	ना	जा
त	प	र	ली	व
क	य	ल	रा	श
इ	शा	रा	म	थ

सृजनात्मकता

अनुवाद : हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

దీపావళి పండుగంటే నాకు చాలా ఇష్టం.

....

దీపావళి రోజున దీపాలు వెలిగిస్తాము.

....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

అమ్మానాన్నలతో కలసి పూజ చేస్తాము.

....

దీపావళి రోజున టపాకాయలు కాలుస్తాము.

....

దీపావళి రోజున కొత్త బట్టలు ధరిస్తాము.

....

అందరికీ పండుగ శుభాకాంక్షలు తెలుపుతాము.

....

अ) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

परियोजना कार्य

तेनालीराम की कहानियाँ बहुत ही रोचक होती हैं । आप ऐसी ही एक कहानी संकलित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. **मैं** एक जादू का खेल दिखाऊँगा ।
2. **आप** अपनी जेब देखिए ।
3. **वे** चम्मच ढूँढ़ना चाहते थे ।
4. बचने का **कोई** उपाय न था ।
5. आज **कौन** आ रहे हैं ?

https://amaravathiteacher.com

ऊपर दिये गये वाक्यों में **मैं, आप, वे, कोई** और **कौन** जैसे शब्द संज्ञा की जगह पर आये हैं। इस प्रकार संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। सर्वनाम के छः भेद हैं। वे हैं -

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम** : बोलनेवाले, सुननेवाले या अन्य वस्तु या व्यक्ति के लिए प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द। इसके तीन उपभेद हैं।
   - **अ) उत्तम पुरुष** : बोलनेवाला। **उदा** : मैं, हम आदि।
   - **आ) मध्यम पुरुष** : सुननेवाला। **उदा** : तू, तुम, आप आदि।
   - **इ) अन्य पुरुष** : अन्य वस्तु या व्यक्ति के लिए प्रयोग किये जानेवाला। **उदा** : यह, ये, वह, वे आदि।
2. **निश्चयवाचक सर्वनाम** : किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति के लिए प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द।
   उदा : यह, ये, वह, वे आदि।
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** : किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति के लिए न प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द।
   उदा : कोई, कुछ आदि।
4. **संबंधवाचक सर्वनाम** : एक बात का संबंध दूसरी बात से करानेवाला सर्वनाम शब्द।
   उदा : जो, सो, जिसकी, उसकी आदि।
5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम** : प्रश्न करने के लिए प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द।
   उदा : कौन, क्या, कब, कहाँ आदि।
6. **निजवाचक सर्वनाम** : स्वयं या निजत्व को बतानेवाला सर्वनाम शब्द।
   उदा : अपना, स्वयं आदि।

अ) दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए और लिखिए।

1. हम घर जाते हैं। ....
2. मैं खुद ही गया था। ....
3. वह क्या कर रहा है ? ....
4. जो पढ़ेगा, वह उत्तीर्ण होगा। ....
5. कोई यहाँ आयेगा। ....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

क्या आप जानते हैं ?

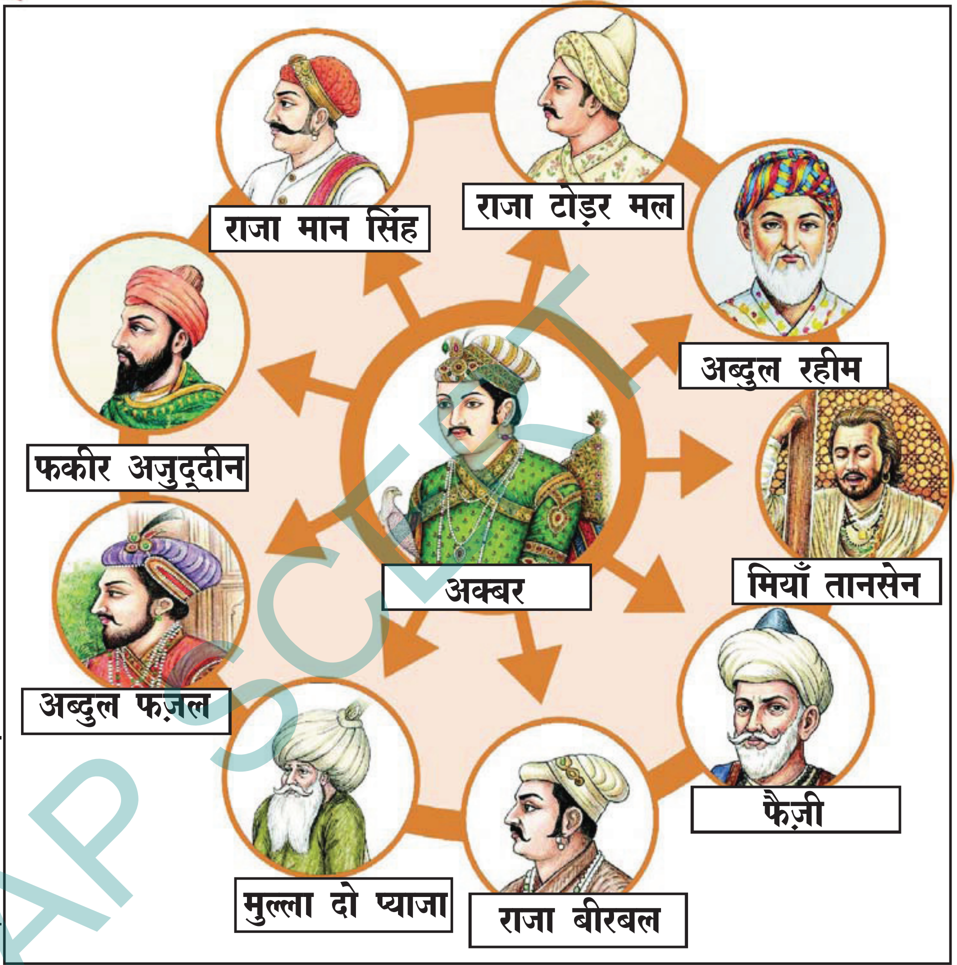

जिस प्रकार राजा कृष्णदेवराय के दरबार में ‘अष्टदिग्गज’ नामक आठ कवि रहते थे, उसी प्रकार अकबर के दरबार में ‘नवरत्न’ नामक नौ कवि रहते थे।

AP SCERT

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को श्री कृष्णदेवराय के अष्टदिग्गज कवियों के बारे में बताइए।

समूह गतिविधि

कक्षा को 8 समूहों में विभाजित करें।

प्रत्येक समूह को एक-एक अष्टग्गिज कवि का नाम दिया जाय।

प्रत्येक समूह अपने कवि के बारे में निम्न बातें कहें:-

कवि का नाम :	प्रमुख कृतिः	विशेषता :

https://amaravathiteacher.com

D5N5X5

श्रीहरिकोटा

3

सोचिए-बोलिए

AP SCERT

बातचीत के लिए :-

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. लड़कियाँ कहाँ जा रही हैं?
3. हम यात्राएँ क्यों करते हैं ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. वैज्ञानिक यात्राओं के द्वारा "वैज्ञानिक सोच" का विकास कर सकेंगे । (CG-1)
2. कृत्रिम उपग्रहों के प्रयोग में हमारे राज्य में स्थित शार की भूमिका को जान सकेंगे ।(CG-2)
3. छात्र अंतरिक्ष विज्ञान की जानकारी प्राप्त करेंगे । (CG-2)
4. छात्र श्रीहरिकोटा पर एक अनुच्छेद लिख सकेंगे। (CG-3)
5. विशेषण के प्रकार जानकर वाक्य में उन्हें पहचान सकेंगे । (CG-2)

https://amaravathiteacher.com

विषय प्रवेश

विश्व में अंतरिक्ष विज्ञान से बहुत प्रगति हुई है । भारत देश भी अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है । कृत्रिम उपग्रह के प्रयोग में भारत का स्थान प्रमुख है । कृत्रिम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजनेवाला एक भारतीय अंतरिक्ष केंद्र आंध्र प्रदेश में है । उसके बारे में आज हम जानकारी प्राप्त करेंगे ।

श्रीहरिकोटा

(सुजाता और रीना आठवीं कक्षा में पढ़ती हैं । दोनों सहेलियाँ हैं । सुजाता अपनी पाठशाला की ओर से वैज्ञानिक यात्रा के लिए श्रीहरिकोटा गयी थी । उसके बारे में दोनों बातचीत कर रही हैं ।)

रीना : सुजाता ! कल तुम्हारा जन्मदिन था न ! कैसे मनाया ?

सुजाता : हाँ, मैंने अपना जन्मदिन बड़ी खुशी से श्रीहरिकोटा में मनाया ।

रीना : अच्छा ! श्रीहरिकोटा में मनाया ! श्रीहरिकोटा कहाँ है ?

सुजाता : श्रीहरिकोटा आंध्र प्रदेश के नेल्लूरु जिले में सूल्लूरुपेट के पास है । इसके पास पुलिकाट झील भी है ।

रीना : श्रीहरिकोटा किसके लिए प्रसिद्ध है ?

सुजाता : श्रीहरिकोटा, रॉकेटों के प्रयोग और अनुसंधान के लिए प्रसिद्ध है । इस केंद्र को 'शार' भी कहते हैं । यहाँ से

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

कृत्रिम उपग्रहों को रॉकेटों की सहायता से अंतरिक्ष में भेजा जाता है ।

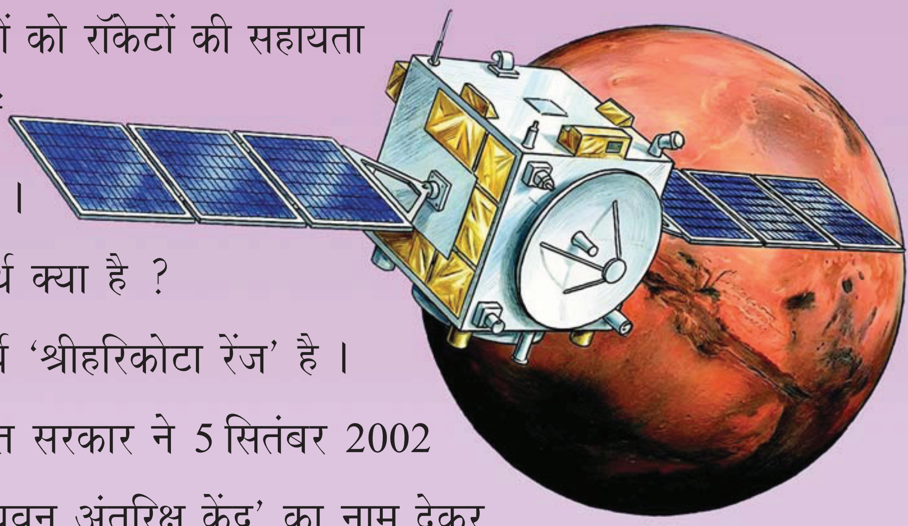

रीना : 'शार' का अर्थ क्या है ?

सुजाता : 'शार' का अर्थ 'श्रीहरिकोटा रेंज' है । शार को भारत सरकार ने 5 सितंबर 2002 को 'सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र' का नाम देकर गौरवान्वित किया था ।

रीना : सतीश धवन शायद एक वैज्ञानिक थे न !

सुजाता : हाँ, तुमने ठीक ही कहा । वे भारत के महान वैज्ञानिक थे । भारत सरकार उन्हें ''पद्म भूषण'' उपाधि से सम्मानित किया था ।

रीना : अंतरिक्ष किसे कहते हैं ?

1. श्रीहरिकोटा कहाँ है ?

सुजाता : धरती के ऊपर आकाश में जो शून्य दिखाई देता है, उसे अंतरिक्ष कहते हैं ।

रीना : शार में तुम लोगों ने क्या-क्या देखा ?

सुजाता : वहाँ तो हम लोगों ने रॉकेटों को अंतरिक्ष में भेजने का प्लाटफॉम, वैज्ञानिक प्रयोगशाला, विभिन्न रॉकेटों के नमूने,बैठक मंदिर, रॉकेटों के स्पेयर पार्ट्स आदि देखें ।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

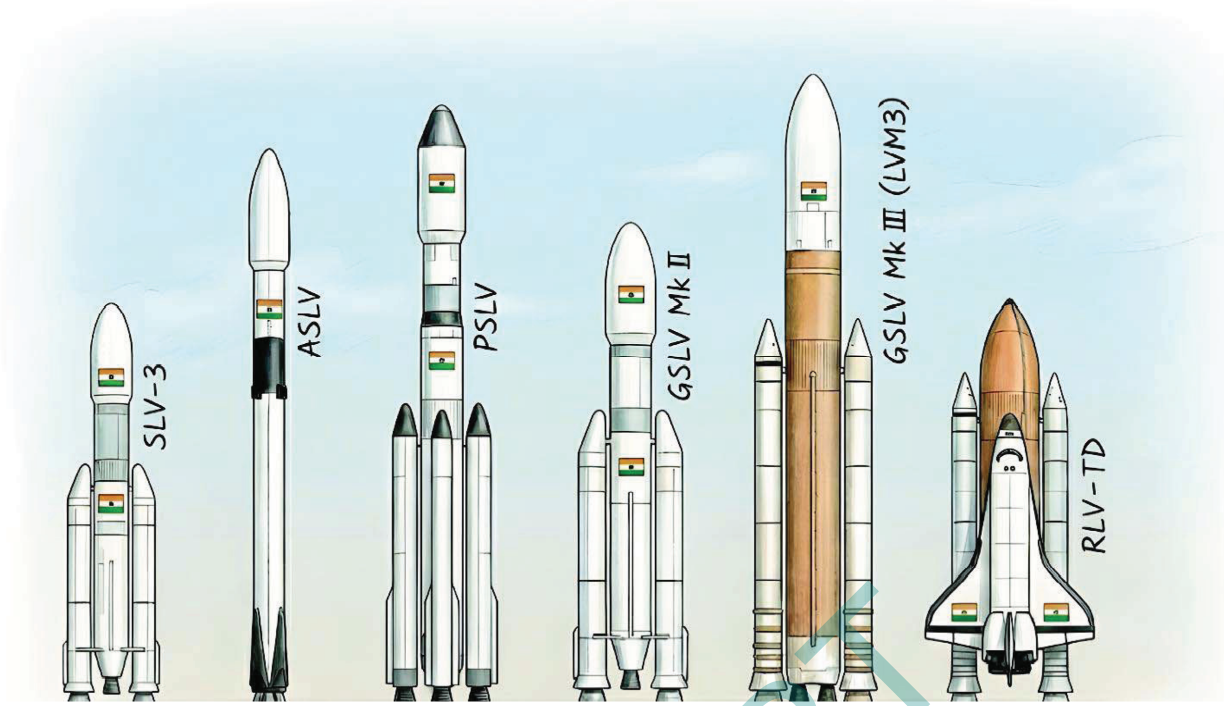

रीना : अच्छा ! तो बताओ, उपग्रह और कृत्रिम उपग्रह में क्या अंतर है ?

सुजाता : ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को 'उपग्रह' कहते हैं । मानव निर्मित पृथ्वी की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को कृत्रिम उपग्रह' कहते हैं ।

रीना : अब तक शार केंद्र से कितने कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे गये हैं ?

सुजाता : अब तक शार केंद्र से करीब सौ से भी अधिक कृत्रिम उपग्रहों को भेजा गया है । हाल ही में एक ही रॉकेट से 104 कृत्रिम उपग्रहों को भेजा गया है ।

रीना : कृत्रिम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने से क्या-क्या लाभ होते हैं ?

सुजाता : तुमने बहुत बढ़िया प्रश्न किया । इन कृत्रिम उपग्रहों से वातावरण की जानकारी, शत्रु देशों के प्रति सावधानी, खतरों की चेतावनी और जल स्रोतों की जानकारी मिलती हैं । इन उपग्रहों के द्‌वारा सरकार को करोडों रुपयों की आमदनी भी मिलती है ।

रीना : इसमें हमारे वैज्ञानिकों का क्या योगदान है ?

2. श्रीहरिकोटा किसके लिए मशहूर है ?

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

सुजाता : कृत्रिम उपग्रहों को रॉकेटों से अंतरिक्ष में भेजने के लिए बहुत से वैज्ञानिकों ने मेहनत की। यह उसी का फल है।

रीना : मैं आज तुम्हारे कारण श्रीहरिकोटा के बारे में कई जरूरी बातें जान पायी हूँ। मैं भी जरूर श्रीहरिकोटा देखने जाऊँगी।

सुजाता : बहुत अच्छा निर्णय है। जरूर जाना।

3. सतीश धवन कौन थे ?

पाठ के मुख्य बिंदु

- श्रीहरिकोटा आंध्र प्रदेश का एक अंतरिक्ष केंद्र है। इसे 'शार' भी कहते हैं।
- 'सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र' के नाम से प्रसिद्ध 'शार' से कई कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे गये हैं।
- ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को 'उपग्रह' कहते हैं।
- मानव निर्मित आकाशीय पिंडों को 'कृत्रिम उपग्रह' कहते हैं।
- ये कृत्रिम उपग्रह रॉकेटों की सहायता से अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं।
- अब तक शार से सौ से भी अधिक कृत्रिम उपग्रहों को भेजा गया है।
- इनसे भारत सरकार को करोडों रुपयों की आमदनी मिलती है।
- हाल ही में एक साथ 104 कृत्रिम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का श्रेय भारत कोही मिला है।
- कृत्रिम उपग्रहों से वातावरण की जानकारी, शत्रु देशों के प्रति सावधानी, विपत्ति और खतरों की चेतावनी, जल स्रोतों की जानकारी आदि प्राप्त होती है।

AP SCERT

श्रुतलेख :-

श्रीहरिकोटा	आंध्र प्रदेश	पुलिकाट झील	अनुसंधान	कृत्रिम उपग्रह
वैज्ञानिक	अंतरिक्ष केंद्र	गौरवान्वित	सम्मानित	पद्म भूषण

https://amaravathiteacher.com

शब्दार्थ

हाल ही में	= ఇటీవల	= थोडे दिन हुए	= Recently
चेतावनी	= హెచ్చరిక	= संकेत	= Warning
अनुसंधान	= పరిశోధన	= खोज	= Research
खतरा	= ప్రమాదము	= संकट	= Hazard
वैज्ञानिक	= శాస్త్రవేత్త	= विज्ञान का ज्ञाता	= Scientist
सावधान	= జాగ్రత్త	= सतर्क	= Alert
योगदान	= సహకారం	= सहयोग	= Contribution
झील	= సరస్సు	= सरोवर	= Lake
आमदनी	= ఆదాయము	= आय	= Income
प्रयोगशाला	= విజ్ఞాన ప్రయోగశాల	= विज्ञानशाला	= Laborartoy

सुनिए-बोलिए

1. शार का अर्थ क्या है ?
2. उपग्रह और कृत्रिम उपग्रह में क्या अंतर है ?
3. अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों का क्या योगदान है ?

AP SCERT

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्टक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. सुजाता अपनी पाठशाला की ओर से वैज्ञानिक यात्रा के लिए गयी थी । (**हाँ**)
2. श्रीहरिकोटा तमिलनाडु राज्य में है । (   )
3. सतीश धवन भारत के महान वैज्ञानिक थे । (   )
4. ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को उपग्रह कहते हैं । (   )
5. कृत्रिम उपग्रहों को रॉकेटों की सहायता से समुद्र में भेजा जाता है । (   )

https://amaravathiteacher.com

आ) पाठ पढ़कर उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए ।

1. धरती के ऊपर आकाश में जो .... दिखाई देता है, उसे........ कहते हैं ।
2. शार से .... उपग्रहों को रॉकेटों की सहायता से .... में भेजा जाता है ।
3. श्रीहरिकोटा................ के नेल्लूरु जिले में .... के पास है ।
4. .... सरकार उन्हें .... उपाधि से सम्मानित किया था ।
5. ग्रहों की .... करनेवाले आकाशीय पिंडों को .... कहते हैं ।

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. हाँ ! मैं ने अपना जन्मदिन ....
2. श्रीहरिकोटा, रॉकेटों के प्रयोग और ....
3. अच्छा ! तो बताओ ....
4. इन उपग्रहों के द्‌वारा सरकार को ....
5. हाल ही में एक ही रॉकेट से ....

ई) गद्‌यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

भारत के पहले मंगल अभियान का नाम 'मंगलयान' है । इसका असली नाम 'मंगल कक्षित्र मिशन' है । इसे 5 नवंबर 2013 को मंगल ग्रह की परिक्रमा करने के लिए पी.एस.एल.वी-सी -25 के द्‌वारा सफलता पूर्वक भेजा गया है । विश्व में अपने पहले ही प्रयास में सफ़ल होनेवाला पहला देश भारत है । इसके लिए सिर्फ 450 करोड रुपये ही खर्च हुए हैं ।

1. भारत के पहले मंगल अभियान का नाम क्या है ?

   ....

2. मंगलयान का असली नाम क्या है ?

   ....

3. मंगलयान को कब भेजा गया है ?

   ....

4. किस रॉकेट की सहायता से मंगलयान भेजा गया है ?

   ....

5. मंगलयान के लिए कितने रुपये खर्च हुए ?

   ....

AP SCERT
https://amaravathiteacher.com

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. श्रीहरिकोटा किसके लिए प्रसिद्ध है ?
2. सुजाता ने शार केंद्र में क्या-क्या देखा ?
3. कृत्रिम उपग्रहों से क्या-क्या लाभ होते हैं ?
4. भारतीय वैज्ञानिकों और उनके कार्यों के प्रति अपनी भावनाएँ लिखिए ।
5. श्रीहरिकोटा से जुड़ी हुई उपलब्धियाँ गर्व का अनुभव कराती है । अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

आ) ''श्रीहरिकोटा'' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

AP SCERT

भाषांश

अ) रेखांकित शब्द के पर्यायवाची शब्दों को डिब्बे में से चुनकर लिखिए।

प्रमुख, सचेत, आय, मुसीबत, प्रख्यात, संकट, कमाई, सतर्क, पास, करीब

1. श्रीहरिकोटा, सूल्लूरुपेट के निकट है ।

   ...., ...

2. श्रीहरिकोटा शार के नाम से प्रसिद्ध है ।

   ...., ...

3. उपग्रहों से विपत्तियों की चेतावनी मिलती है।

   ...., ...

4. कृत्रिम उपग्रहों से सावधानी की खबर मिलती है ।

   ...., ...

5. उपग्रहों के द्वारा सरकार को आमदनी भी मिलती है ।

   ...., ...

https://amaravathiteacher.com

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. पाठशाला से रवि का घर पास है, रामू का घर दूर है । पास × दूर
2. अच्छे व्यक्ति बुरे काम नहीं करते । .... × ....
3. आमदनी के अनुसार खर्च करना चाहिए । .... × ....
4. सफ़ल बनने के लिए कई बार विफ़ल होना पड़ता है । .... × ....
5. भारत की ख्याति दिन-ब-दिन देश-विदेश में बढ़ती जा रही है । .... × ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

रॉ	उ	म	कृ	क
के	प	अं	त्रि	रो
ट	ग्र	त	म	ड़
श्री	ह	रि	को	टा
झी	ल	क्ष	शा	र

उदा : उपग्रह

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

ई) दिए गए संख्या-शब्दों को पढ़िए और लिखिए ।

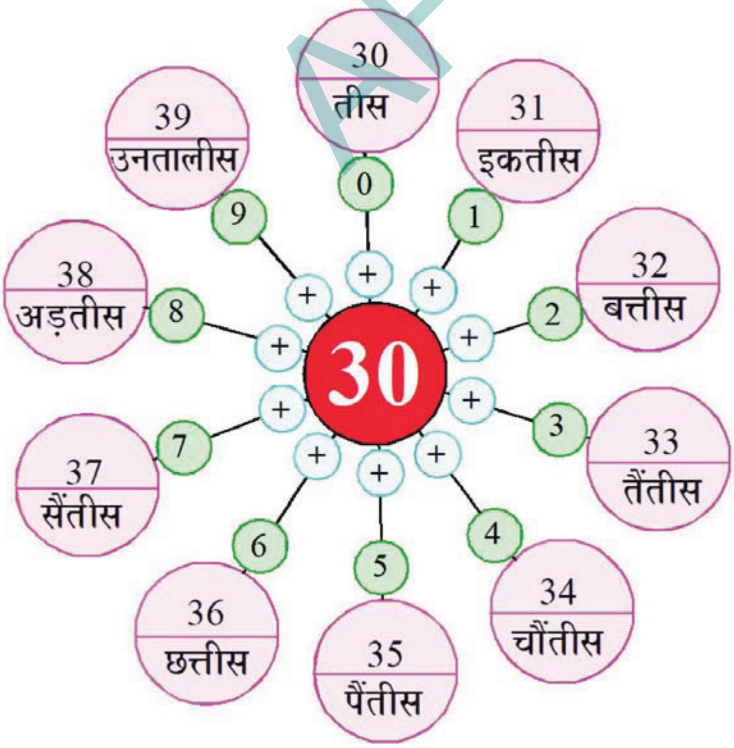

30.......................................
31.......................................
32.......................................
33.......................................
34.......................................
35.......................................
36.......................................
37.......................................
38.......................................
39.......................................

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

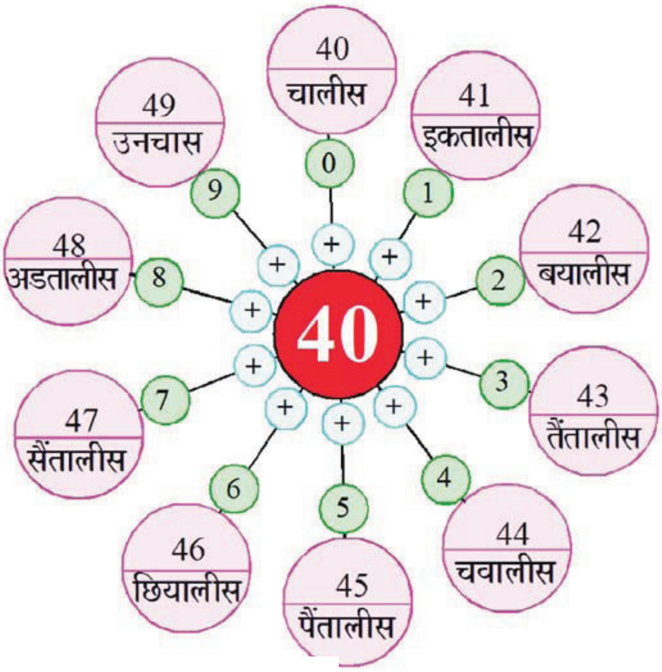

40..
41..
42..
43..
44..
45..
46..
47..
48..
49..

सृजनात्मकता

अनुवाद :- मातृभाषा में अनुवाद कीजिए ।

कृशित : रिन्नी, कल तुम स्कूल क्यों नहीं आये? ....

रिन्नी : कृशित, मैं दिल्ली गया था । ....

कृशित : दिल्ली में क्या - क्या देखा ? ....

रिन्नी : दिल्ली में अक्षरधाम, राजपथ, ...

लालकिला आदि देखा। ....

कृशित : दिल्ली हमारे देश की राजधानी है । ....

अ) सूचना के अनुसार अपने बारे में लिखिए ।

मेरा परिचय	अब अपना परिचय दीजिए
मेरा नाम श्रीहिता है ।	....
मैं आठवीं कक्षा में पढ़ती हूँ ।	....
मैं हर दिन पाठशाला जाती हूँ ।	....
मुझे कबड्डी खेलना पसंद है ।	....
मैं कड़पा में रहती हूँ ।	....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

परियोजना कार्य

विश्व के अंतरिक्ष केंद्रों की जानकारी इकट्ठा कीजिए । उनकी सूची तैयार करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. रीना **आठवीं** कक्षा में पढ़ती है ।
2. **बड़ी** खुशी से श्रीहरिकोटा में मनाया ।
3. वे भारत के **महान** वैज्ञानिक थे ।
4. **कई** बातें जान पायी ।
5. तुमने **बहुत** बढ़िया प्रश्न किया ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **आठवीं, बड़ी, महान, कई** और **बहुत** जैसे शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं । इस प्रकार संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतानेवाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं । विशेषण के चार भेद हैं । वे हैं -

AP SCERT

1. **गुणवाचक विशेषण**	: किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, आकार, दशा स्थिति आदि के बारे में बतानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** अच्छा, बुरा, लाल, नीला आदि ।
2. **संख्यावाचक विशेषण**	: किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या के बारे में बतानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** एक, चार, आठ, सौ आदि ।
3. **परिमाणवाचक विशेषण**	: किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा को बतानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** थोड़ा, बहुत, कम, अधिक आदि ।
4. **सार्वनामिक विशेषण**	: सर्वनाम के रूप में रहकर संज्ञा को सूचित करानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** **यह** घर, **हमारा** देश, **मेरी** किताब आदि ।

https://amaravathiteacher.com

अ) दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करके लिखिए ।

1. डाली पर सुंदर चिड़िया है । ....
2. मुझे परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । ....
3. सैकड़ों वैज्ञानिकों का योगदान है । ....
4. नवीन अच्छा लड़का है । ....
5. भारत हमारा देश है । ....

क्या आप जानते हैं ?

कल्पना चावला

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं ने महान उपलब्धियाँ हासिल की हैं । ऐसी महिलाओं में अंतरिक्ष की यात्रा करके भारत के नाम को ऊँचा करनेवाली नारी है - कल्पना चावला । आप अंतरिक्ष में जानेवाली प्रथम भारतीय महिला थीं ।

AP SCERT

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को भारत में निर्मित अन्य अंतरिक्ष केंद्रों के बारे में जानकारी दीजिए ।

https://amaravathiteacher.com

किसान

4

सोचिए-बोलिए

AP SCERT

बातचीत के लिए :-

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. किसान क्या ले जा रहा है ?
3. खेती करने के लिए क्या - क्या चाहिए ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. छात्र कविता को पढ़कर किसान के कठिन परिश्रम, त्याग और कार्यशीलता के महत्व को समझ सकेंगे । (CG-2)
2. छात्र किसान की दिनचर्या और संघर्षों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे । (CG-1)
3. छात्र भारतीय ग्रामीण जीवन का परिचय प्राप्त कर सकेंगे । (CG-1)
4. छात्र पद्यांश पढ़कर सही उत्तर लिखने की योग्यता प्राप्त कर सकेंगे ।(CG-1)
5. छात्र किसान के दिन भर के काम और उसके परिश्रम के महत्व को लिखकर व्यक्त कर सकेंगे । (CG-3)

https://amaravathiteacher.com

विषय प्रवेश

भारत गाँवों का देश है और कृषि प्रधान देश भी है। गाँवों में किसान रहते हैं। वे खेती करके खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं। देशवासियों को भोजन उपलब्ध कराते हैं। इससे देश विकास की ओर आगे बढ़ता है। प्रस्तुत कविता में ऐसे किसानों के श्रमिक जीवन का परिचय मिलता है।इससे किसान के प्रति हमारे मन में सम्मान की भावना बढ़ती है।

नहीं हुआ है अभी सवेरा,
पूरब की लाली पहचान,
चिड़ियों के जगने से पहले,
खाट छोड़ उठ गया किसान।

खिला - पिलाकर बैलों को ले,
करने चला खेत पर काम,
नहीं कभी त्यौहार न छुट्टी,
उसको नहीं कभी आराम।

1. किसान कहाँ काम करने चल पड़ता है ?

गरम - गरम लू चलती सन - सन,
धरती जलती तवे समान,
तब भी करता काम खेत पर,
बिना किए आराम किसान।

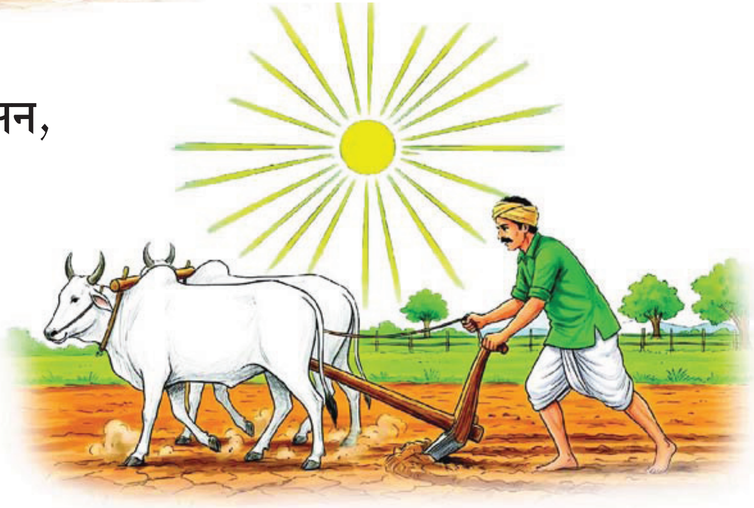

2. लू कैसे चलती है ?

https://amaravathiteacher.com

बादल गरज रहे गड़ - गड़ - गड़,
बिजली चमक रही चम - चम,
मूसलाधार बरसता पानी,
ज़रा न रुकता लेता दम ।

3. बादल कैसे गरजते हैं ?

हाथ - पाँव ठिठुरे जाते हैं,
घर से बाहर निकले कौन,
फिर भी आग जला, खेतों की,
रखवाली करता वह मौन ।

4. किसान खेतों की रखवाली कैसे करता है ?

है किसान को चैन कहाँ,
वह करता रहता हरदम काम,
सोचा नहीं कभी भी उसने,
घर पर रह करना आराम ।

- सत्यनारायण लाल

https://amaravathiteacher.com

कवि परिचय :-

कवि का नाम : सत्य नारायण लाल

जीवन काल : सन् 1914 - सन् 2004

प्रमुख कृतियाँ : 'शहीद का स्मारक, भारतीय इतिहास के प्रेरक' आदि ।

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता में कवि सत्यनारायण लाल ने किसान के कठोर परिश्रम और त्याग की गाथा का वर्णन किया है । किसान सुबह जल्दी उठकर खेत में काम करने के लिए निकल पड़ता है । हर दिन अपने बैलों की देखभाल करता है । वह त्यौहार पर भी छुट्टी नहीं लेता न कभी आराम करता । वह गर्मी, सर्दी, बरसात हर मौसम में बिना थके खेतों में काम करता रहता है । वह कभी चैन नहीं लेता है । वह अपने खेत में फसल उगाकर ही चैन की साँस लेता है ।

AP SCERT

श्रुतलेख :-

पूरब	खाट	त्यौहार	बिजली	मूसलधार
पहचान	बादल	चैन	हरदम	आराम

शब्दार्थ

पूरब	= తూర్పు	= पूर्व	= East
चिड़ियाँ	= పక్షులు	= पक्षी, पंछी	= Birds
लाली	= ఎరుపు	= लाल रंग	= Red
खाट	= మంచం	= चारपाई	= Cot
मूसलाधार	= నిర్విరామంగా కురియు	= बहुत जोर से बरसने वाला	= Continuously raining

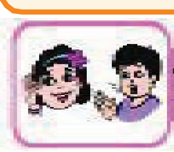

सुनिए-बोलिए

1. किसान कब उठता है ?
2. किसान क्या नहीं सोचता है ?
3. धरती किसके समान जलती है ?

https://amaravathiteacher.com

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. तब भी करता काम खेत पर	( )
2. बिना किए आराम किसान	( )
3. गरम - गरम लू चलती सन - सन	(1)
4. धरती जलती तवे समान	( )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए ।

1. अभी .... पूरब की .... पहचान ।
2. गरम - गरम लू चलती ...., धरती जलती .... समान ।
3. नहीं कभी .... न छुट्टी, उसको नहीं कभी .... ।
4. खिला - पिलाकर .... को ले, करने चला .... पर काम ।
5. .... बरसता पानी, जरा न .... लेता दम ।

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. चिड़ियों के ....
   .... किसान ।
2. खिला - पिलाकर ....
   .... पर काम ।
3. तब भी ....
   .... आराम किसान ।
4. बादल - गरज ....
   .... चम - चम ।
5. सोचा नहीं ....
   .... आराम ।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

ई) पद्यांश पढ़कर विकल्पों में से प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर कोष्टक में लिखिए।

मूली, टमाटर, गाजर खाना
पालक को भी भूल न जाना ।
भूँजा-सत्तू नियमित खाएँ,
वैद्य-हकीम घर न आएँ ।

1. क्या खाना चाहिए ? ( )
   A) आम-अमरूद B) दूध-मलाई C) मूली, टमाटर,गाजर D) मिठाई
2. किसे खाना भूलना नहीं चाहिए ? ( )
   A) पालक B) खीर C) केला D) दूध-दही
3. नियमित रूप से क्या खाना चाहिए ? ( )
   A) कटहल B) सेब C) खीरा D) भूँजा-सत्तू
4. किनके घर न आने की बात कही गयी है ? ( )
   A) चोर B) सगे-संबंधी C) वैद्य -हकीम D) शिक्षक
5. पद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए। ( )
   A) फूल-फल B) अच्छे विचार C) हमारा आहार D) अपना भोजन

उ) पद्यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

कड़वे तन में मन को मीठा,
रखना हमें सिखाता नीम ।
हवा चले तो झूम-झूम के,
सब का मन बहलाता नीम ।
लेता नहीं किसी से कुछ भी,
पर कितना दे जाता नीम ।

- हरीश निगम

उदा : किसका तन कडुआ है ?

1. ....
2. ....
3. ....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. बैल और हल किसान के साथी हैं ? क्यों ?
2. किसान कब-कब खेत में काम करता रहता है ?
3. किसान खेतों की रखवाली क्यों करता है ?
4. कवि सत्यनारायण लाल का परिचय अपने शब्दों में लिखिए ?
5. कविता में किसान को हर परिस्थिति (बारिश, गर्मी, ठंड़) में काम करते हुए दिखाया गया है । इसे पढ़कर आपके मन में किसान के प्रति कौन - कौन से भाव उत्पन्न होते हैं ?
6. कवि ने किसान के श्रम और त्याग को जिस प्रकार चित्रित किया है, उससे आपको किसान के जीवन के बारे में क्या नया समझने को मिला ?

आ) "किसान" कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

AP SCERT

भाषांश

अ) दिए गए रेखांकित शब्द के पर्याय शब्दों को डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. मैं <u>सबेरा</u> होते ही टहलने जाता हूँ ।

   .... , ...

2. <u>किसान</u> खेत में काम करता है ।

   .... , ...

3. दादाजी <u>खाट</u> पर बैठे हैं ।

   .... , ...

4. वर्षा ऋतु में <u>धरती</u> हरिभरी हो जाती है ।

   .... , ...

5. प्यासे को <u>पानी</u> पिलाइए ।

   .... , ...

प्रातःकाल, खटिया, धरा, नीर, कृषक, चारपाई, पृथ्वी, सुबह, जल, अन्नदाता

https://amaravathiteacher.com

आ) रेखांकित शब्दों का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. रमेश सबेरे उठकर स्कूल जाता है और शाम को घर लौटता है। सबेरा x शाम
2. बाहर धूप है इसलिए घर के अंदर ही रहो । .... x ....
3. मोहन धूप में बेचैन होता है, छाव में चैन पाता है । .... x ....
4. ठंड पड़ती है तो गरम दूध पिया करो । .... x ....
5. पेड़ के ऊपर कौआ है और पेड़ के नीचे गाय है । .... x ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

खा	ट	आ	ग	त
स	बे	रा	र	ट
मा	का	म	म	चै
न	खे	कि	सा	न
व	त	बा	द	ल

उदा : आराम

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अनुवाद : मातृभाषा में अनुवाद कीजिए ।

1. बैल घास चरते हैं । ....
2. दीपावली मेरा प्रिय पर्व है । ....
3. किसान फसल काट रहा है । ....
4. पूरब में सूरज उग रहा है । ....
5. चौकीदार घर की रखवाली करता है । ....

अ) खेती करने में काम आनेवाले उपकरणों की सूची तैयार कीजिए ।

चित्र	उपकरण का नाम

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

परियोजना कार्य

किसान किन-किन खाद्य फसलों को उगाता है ? उनके चित्रों को संकलित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. सुनीता स्कूल **जाती है** ।
2. विमला खाना **बनाती है** ।
3. लड़का अमरूद **खाता है** ।
4. रमेश कुछ **बोल रहा है** ।
5. लड़का पानी **पी रहा है** ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **जाती है, बनाती है, खाता है , बोल रहा है** और **पी रहा है** जैसे शब्द किसी काम के करने या होने को बताते हैं। ऐसे शब्दों को ' क्रिया ' कहते हैं। क्रिया के दो प्रकार हैं। वे हैं -

1. अकर्मक क्रिया : इसमें क्रिया के व्यवहार का फल कर्ता पर पड़ता है ।

उदा : चलना, आना, जाना, हँसना आदि ।

2. सकर्मक क्रिया : इसमें क्रिया के व्यवहार का फल कर्म पर पड़ता है ।

उदा : पढ़ना, लिखना, खाना, पीना आदि ।

अ) दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कर लिखिए ।

1. किसान सबेरे उठता है । ....
2. खेत पर बैलों को ले जाता है । ....
3. गरम-गरम लू चलती है । ....
4. किसान खेत पर काम करता है । ....
5. बादल गड़ - गड़ गरजते हैं । ....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

क्या आप जानते हैं ?

ड्रोन का उपयोग :-

खेती कई प्रकार से की जा रही है ।

ड्रोन के उपयोग से किसान फसल की उत्पादकता बढ़ा रहे हैं और लागत कम कर रहे हैं । निम्न रूपों में ड्रोन किसान की मदद कर रहे हैं -

1. फसल की निगरानी
2. बीज बोना
3. कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव
4. जल के छिड़काव आदि ।

अध्यापकों के लिए सूचना :

छात्रों को खेती करने के आधुनिक उपकरणों की जानकारी आई.एफ.पी.में दिखाइए ।

समूह गतिविधि

कक्षा को 4-5 समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह को गेहूँ, धान, गन्ना और मक्का आदि जैसी बीज दें। प्रत्येक समूह को फसल उगाने का तरीका बताना चाहिए। उसके बारे में जानकारी देनी चाहिए।

https://amaravathiteacher.com

M2C5B4

कूड़ेदान

5

सोचिए-बोलिए

बातचीत के लिए :-

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
2. सफ़ाई क्यों करनी चाहिए ?
3. हमें कचरे को कहाँ डालना चाहिए ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. छात्र गंदगी को दूर करने में अपनी भूमिका निभा पायेंगे । (CG-1)
2. आस-पास के लोगों को कूड़ेदान का महत्व बतायेंगे । (CG-2)
3. गीले-सूखे कचरे को भिन्न कूड़ेदानों में डालने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करेंगे । (CG-1)
4. छात्र पाठ में आये हुए नये शब्दों का वाक्य प्रयोग कर लिख सकेंगे । (CG-3)
5. छात्र निजी जीवन में स्वच्छता पर ध्यान दे सकेंगे । (CG-1)

https://amaravathiteacher.com

विषय प्रवेश

घर, गाँव, गली और मोहल्ले की गंदगी देखकर, लोग मुँह ढ़क लेते हैं। भौंहें सिकोड़ते हैं। लेकिन कूड़ेदान उसी गंदगी को ढ़ोते हुए सबको बीमारियों से बचाता है। गाँव और शहरों को साफ़-सुथरा रखता है। चलो !... आज हम कूड़ेदान के बारे में जानेंगे।

कूड़ेदान

मैं कई रंगों में मिलता हूँ। मेरे कई आकार हैं। घर, स्कूल, दफ़्तर हो या सड़क, मैं सब जगह रहता हूँ।

आप सोच रहे होंगे।

मैं कौन हूँ ?

चीज़ हूँ मैं बड़े काम की, सोचो मेरा नाम,

ज्यादा नहीं है मेरा दाम, आता हूँ मैं सब के काम।

अब तो समझे, हाँ ! मेरा नाम "कूड़ेदान" है। आज मैं आपको पते की बात बताता हूँ। संसार में एक मात्र मैं ही हूँ, जो अपने शरीर पर लिखकर चलता हूँ (USE ME) "मेरा उपयोग करें।"

पहले लोग पुरानी बाल्टी, डिब्बा या किसी भी टूटी हुई चीज़ का उपयोग कूड़ा डालने के लिए करते थे। पर अब समय बदल गया है। अब मैं प्लास्टिक टीन, गत्ते, लोहे व स्टील से बनाया जाने लगा हूँ। पहले तो मेरा मुँह खुला रहता था। अब तो मैं ने ढक्कन लगवा लिया है। जब मेरी आवश्यकता हो, ढक्कन खोलो और मुझे उपयोग में लाओ।

1. लोग पहले कूड़ा डालने के लिए किन चीज़ा का उपयोग करते थे ?

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

जागो लोगों जागो ! संसार में चीजें बदलती रहती हैं। मैं भी हर दिन परिवर्तन कर रहा हूँ । अब मैं ने अपने भाइयों को भी काम करना सिखा दिया है। नीले व काले कूड़ेदान मेरे भाई हैं और मैं हूँ हरा कूड़ेदान। आप मेरे नीले भाई का उपयोग ऐसा कूड़ा डालने के लिए कर सकते हैं, जो नष्ट नहीं होता, जैसे - प्लास्टिक, लोहा आदि। काले भाई का उपयोग जीवाणु फैलानेवाली वस्तुओं को डालने के लिए होता है। जैसे - प्रयोग के बाद पट्टी, रक्त से सनी इंजेक्शन की सुई आदि।

मेरा उपयोग आप नष्ट होनेवाला कूड़ा डालने के लिए कर सकते हैं। जैसे - सब्जी या फलों के छिलके आदि।

2. कूड़ेदान कितने प्रकार के होते हैं ?

आपको एक बात बताऊँ ! जब आप मेरा उपयोग करते हैं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। परंतु जब आप कूड़ा इधर-उधर फेंकते हैं, तो मुझे बहुत दुख होता है। आप जानते हैं कि मुझे उपयोग में न लाकर आप तरह-तरह की बीमारियों को आमंत्रित कर रहे हैं।

यदि आप कूड़ा इधर-उधर फेंकेंगे,

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

तो गंदगी फैलती है । गंदगी से हैजा, पेचिश और डेंगू जैसे भयानक रोगों के फैलने की संभावना है । यह सच है कि स्वास्थ्य हमारे लिए अनमोल ख़जाना है । कोई व्यक्ति चाहे कितना भी धनवान क्यों न हो ? यदि उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो उसके लिए सभी सुख बेकार हैं । रोगी व्यक्ति तो कोई भी कार्य ठीक तरह से नहीं कर पाता है ।

स्वच्छता का संदेश देने, आया कूड़ेदान ।
स्वच्छता का कार्य, है बड़ा महान ॥
गंदगी से फैले बीमारी,
स्वच्छता की आई अब बारी ।
आओ बीमारियाँ भगाएँ सारी,
जिंदगी नीरोग बनाएँ हमारी ॥

3. कूड़ा इधर-उधर फेंकने से क्या होगा ?

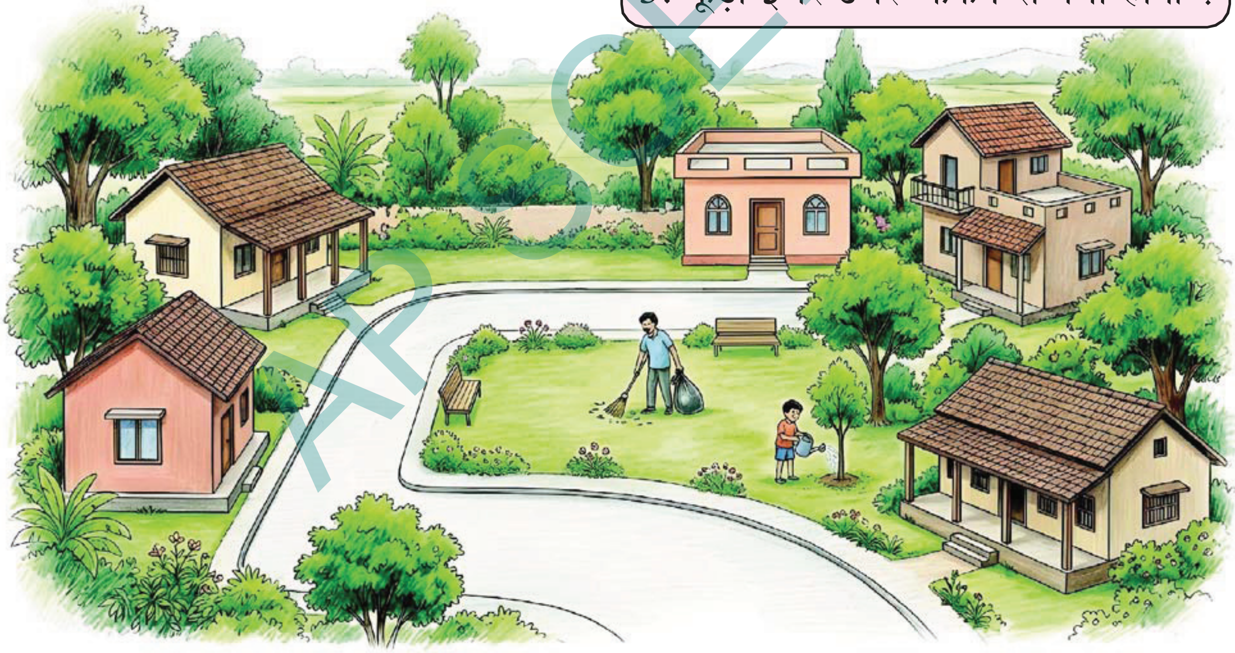

AP SCERT

पाठ के मुख्य बिंदु

* कूड़ेदान कई रंग और आकार के होते हैं । सभी जगहों पर इसकी आवश्यकता है ।
* प्लास्टिक टीन, गत्ते, लोहे व स्टील ... आदि सामग्री कूड़ेदान बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं
* नष्ट नहीं होनेवाले प्लास्टिक, लोहा जैसे - कचरे को नीले रंग के कूड़ेदान में डालना चाहिए ।
* जीवाणु फैलानेवाले जैसे - प्रयोग के बाद पट्टी, रक्त से सनी इंजेक्शन की सुई आदि को

https://amaravathiteacher.com

काले रंग के कूड़ेदान में डालना चाहिए ।

- ✻ नष्ट होनेवाला कचरा जैसे-सब्जी व फलों के छिलके आदि को हरे रंग के कूड़ेदान में डालना चाहिए।
- ✻ कूड़ा इधर-उधर फेंकने से हैजा, पेचिश, डेंगू जैसी बीमारियाँ फैलने की संभावना है ।
- ✻ इसलिए हमें कूड़ेदान का उपयोग करके बीमारियों से बचना चाहिए ।

शब्दार्थ

अनमोल	=	అమూల్యమైన	=	अमूल्य	=	Precious
नुकसान	=	నష్టం,	=	हानि	=	Harm
आमंत्रण	=	ఆహ్వానము	=	आह्वान	=	Invitation
परिवर्तन	=	మార్పు	=	बदलाव	=	Change
नीरोग	=	ఆరోగ్యం	=	स्वस्थ	=	Healthy
ख़जाना	=	ఖజానా	=	निधि	=	Treasure
पेचिश	=	విరేచనాలు	=	दस्त	=	Dysentery
जीवाणु	=	సూక్ష్మజీవి,	=	कीटाणु	=	Bacteria
दफ़्तर	=	కార్యాలయము	=	कार्यालय	=	Office
गंदगी	=	మురికి	=	मैल	=	Dirt
गत्ता	=	పెట్టెల తయారీకి ఉపయోగించే అట్ట,				
	=	मोटा कागज़, कागज़ की दफ़्ती			=	Card board

AP SCERT

श्रुतलेख :-

दफ़्तर	बाल्टी	प्लास्टिक	स्टील	कार्यालय	अमूल्य
आवश्यकता	वस्तु	लोहा	स्वास्थ्य	स्वच्छता	आमंत्रण

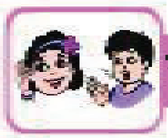

सुनिए-बोलिए

1. हमारे जीवन में सफ़ाई की आवश्यकता क्यों है ?
2. प्लास्टिक कचरा फैलने से क्या होगा ?
3. सूखा कचरा और गीले कचरे को क्यों अलग करना चाहिए ?

https://amaravathiteacher.com

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. कूड़ेदान के कई आकार हैं । (हाँ)
2. कूड़ेदान का दाम ज्यादा है । (   )
3. पहले कूड़ेदान का मुँह खुला रहता था । (   )
4. कूड़ा इधर-उधर फेंकने से कूड़ेदान को बहुत खुशी मिलती है । (   )
5. कूड़ेदान का उपयोग करने से नुकसान हमारा ही होगा । (   )

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. अपने शरीर पर लिखकर चलता हूँ 'मेरा उपयोग करें' । (   )
2. मैं भी हर दिन परिवर्तन कर रहा हूँ । (   )
3. अब तो मैं ने ढक्कन लगवा लिया है । (   )
4. रोगी व्यक्ति तो कोई भी कार्य ठीक तरह से नहीं कर पाता है । (   )
5. घर, स्कूल, दफ़्तर हो या सड़क, मैं सब जगह रहता हूँ । (1)

AP SCERT

इ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. मेरा नाम .... है । आज मैं आपको .... की बात बताता हूँ ।
2. .... व .... कूड़ेदान मेरे भाई हैं ।
3. काले भाई का उपयोग .... फैलानेवाली .... को डालने के लिए होता है ।
4. जब आप मेरा .... करते हैं तो मुझे बहुत .... मिलती हैं ।
5. .... इधर-उधर फेंकेंगे तो .... फैलती हैं ।

ई) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. मैं कई रंगों में ....
2. अब तो समझे, हाँ ! ....
3. जागो लोगो जागो ! ....
4. यह सच है कि ....
5. स्वच्छता का कार्य ....

https://amaravathiteacher.com

उ) गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

बढ़ती जनसंख्या के साथ जल की आवश्यकता भी तेज़ी से बढ़ रही है । जल सीमित मात्रा में मिलता है । जल स्रोतों जैसे - नदी, तालाब, कुएँ आदि से जल का उपयोग ज्यादा होने के कारण पानी की कमी हो रही है । इसलिए पानी को सावधानी से उपयोग करना चाहिए । व्यर्थ जल को साफ़ करके ही कुछ विशेष कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाता है ।

1. हर दिन किसकी आवश्यकता बढ़ रही है ?

   ....

2. जल स्रोत क्या-क्या हैं ?

   ....

3. हमें उपलब्ध पानी का उपयोग कैसे करना चाहिए ?

   ....

4. हम व्यर्थ जल को क्या कर सकते हैं ?

   ....

5. किसकी मात्रा सीमित है ?

   ....

AP SCERT

ऊ) गद्यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

एक मकड़ी गुफ़ा की छत पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी । वहाँ उसने थोड़ा - सा जाला भी बुन रखा था । वह बार-बार ऊपर चढ़ने की कोशिश करती और फिसल कर नीचे गिर जाती थी । चढ़ने के इरादे को मजबूत किया । थोड़ी देर रुकी, दीवार की ओर फिर चल पड़ी । आधा रास्ता तय करने पर कुछ देर रुकी और फिर अगला सफ़र शुरु किया । इस बार वह छत पर चढ़ने में सफल हो गयी ।

उदा :- मकड़ी किस पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी ?

1. ....

2. ....

3. ....

https://amaravathiteacher.com

ऋ) रिसाइकिल और रियूज द्वारा किससे क्या बनता है ? जोड़ी बनाइए ।

(टायर, कागज़, प्लास्टिक बोतल, बल्ब और बोतल)

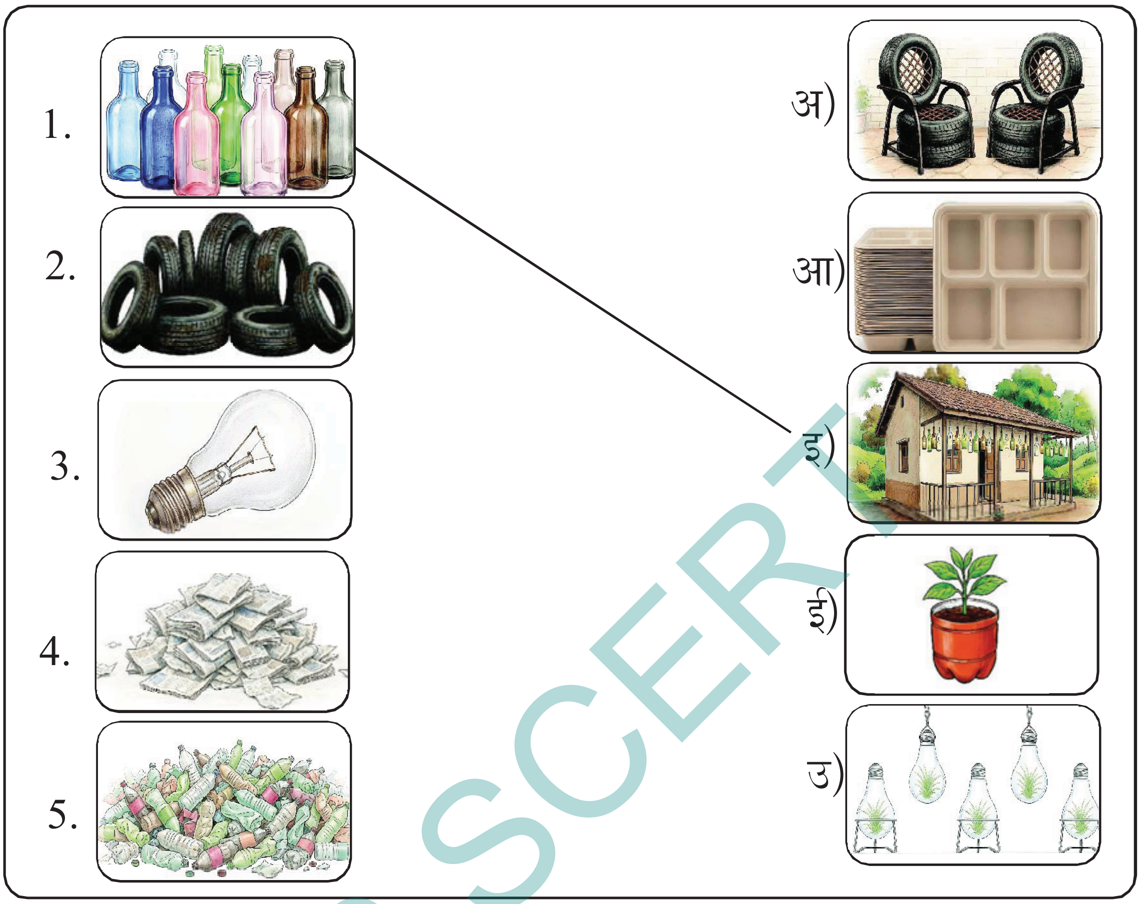

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. सफ़ाई रखने के लिए तुम क्या करते हो ?
2. तुम नीले रंग के कूड़ेदान का उपयोग कैसे करते हो ?
3. 'स्वास्थ्य हमारे लिए अनमोल ख़जाना है ।' इसका तात्पर्य क्या है ?
4. इस पाठ में कूड़ेदान को बोलता हुआ दिखाया गया है । यह कल्पना आपको कैसे लगी ? अपने शब्दों में लिखिए ।
5. कूड़ेदान के माध्यम से लेखक ने स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में कौन-सा संदेश दिया है ? यह संदेश आपको कितना महत्वपूर्ण लगता है, कारण सहित लिखिए ।

आ) 'स्वच्छता और सफ़ाई' देश की प्रगति के सूचक हैं। अपने विचार व्यक्त कीजिए।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

भाषांश

अ) वाक्यों के रेखांकित शब्दों के पर्यायशब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

संपदा, भूमि, रास्ता, हर्ष, चीज, पृथ्वी, राह, पदार्थ, आनंद, अर्थ

1. <u>सड़क</u> पर कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए। ...., ...
2. रत्न अनमोल <u>वस्तु</u> है। ...., ...
3. आज राम बहुत <u>खुश</u> है। ...., ...
4. वर्षा से <u>धरती</u> हरी-भरी हो जाती है।........., ...
5. परिश्रम करके <u>धन</u> कमाया जाता है। ...., ...

आ) सही विलोम शब्द से पत्तों की जोड़ी बनाइए ।

1............................X ....
2............................X ....
3............................X ....
4............................X ....
5............................X ....

APSCERT

इ) शब्द तालिका में दिए गए वस्तुओं के नामों को उचित कूड़ेदान की तालिका में लिखिए।

प्रयोग के बाद पट्टी, लोहा, फलों के छिलके, चाय पत्ती, सब्जी, बोतल, बायो मेडिकल वेस्ट, चप्पल, एक्सपायर दवाएँ, प्लास्टिक, फूल, रक्त से सनी इंजेक्शन

हरा	नीला	काला
फलों के छिलके	लोहा	प्रयोग के बाद पट्टी

https://amaravathiteacher.com

ई) दिए गए संख्या-शब्दों को पढ़िए और समझिए ।

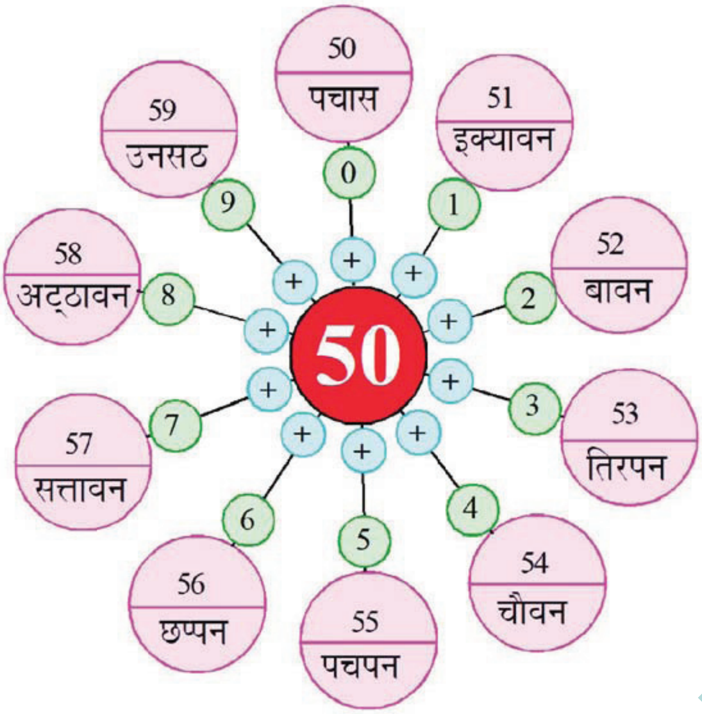

50..
51..
52..
53..
54..
55..
56..
57..
58..
59..

60..
61..
62..
63..
64..
65..
66..
67..
68..
69..

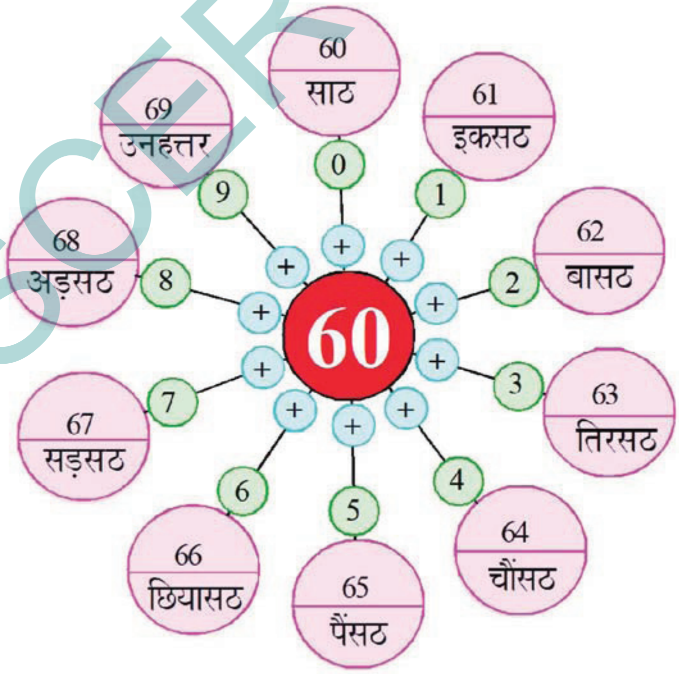

AP SCERT

सृजनात्मकता

अनुवाद :- हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

నాని నువ్వు ఏమి చేస్తున్నావు? ....

నేను మామిడి మొక్కను నాటుతున్నాను ....

చెట్ల వల్ల అనేక లాభాలు ఉన్నాయి. ....

ఇవి మనకు పండ్లు, పూలను ఇస్తాయి. ....

చెట్లు మనకు నీడను ఇస్తాయి. ....

https://amaravathiteacher.com

अ) पुस्तक की आत्मकथा पढ़िए और आप कलम की आत्मकथा लिखिए ।

पुस्तक की आत्मकथा	कलम की आत्मकथा
1. मैं पुस्तक हूँ ।	....
2. मैं ज्ञान का भंडार हूँ ।	....
3. मुझे पढ़कर मनुष्य विद्‌वान बनता है ।	....
4. मैं चाहती हूँ कि लोग मुझे फाड़े नहीं ।	....
5. मेरे पन्नों में इतिहास भरा है ।	....

परियोजना कार्य

'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित चित्र इकट्ठा करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

अब तो समझे, हाँ ! मेरा नाम 'कूड़ेदान' है । आज मैं आपको पते की बात बताता हूँ । संसार में एक मात्र मैं ही हूँ, जो अपने शरीर पर लिखकर चलता हूँ - (USE ME) "मेरा उपयोग करें ।"

ऊपर दिये गये अनुच्छेद में कुछ चिह्न आये हैं । जैसे - (,), (।), (!), (-), (' '), (" ") इन चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं । बोलते अथवा पढ़ते समय अपनी बात को ठीक से कहने के लिए कुछ देर रुकना पड़ता है । रुकने की यह क्रिया व्याकरण की भाषा में 'विराम' कहलाती है । लेखन में जिन लिखित चिह्नों या संकेतों का उपयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते हैं । इनके उचित प्रयोग से ही भावों में स्पष्टता आती है । मुख्य विराम चिह्न निम्न प्रकार हैं -

अल्प विराम	,	योजक	-
अर्ध विराम	;	निर्देशक	—
पूर्ण विराम	।	अवतरण चिह्न	' '
प्रश्न चिह्न	?	उद्‌धरण चिह्न	" "
विस्मयवाचक चिह्न	!	कोष्ठक चिह्न	( )

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

क्या आप जानते हैं ?

कचरे का जीवनकाल

अध्यापकों के लिए सूचना :-

अध्यापक छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें तथा अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई बनाए रखने के लिए प्रेरित कीजिए ।

AP SCERT

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय...
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

समूह गतिविधि

बेकार से बेहतरीन (Waste to Best)

हमारी कक्षा में निकलने वाले कचरे जैसे पुरानी कलमें, बेकार कागज़ और खाली पानी की बोतलों से पुनःप्रयोग(Recycle) वस्तुएँ बनाइए।

https://amaravathiteacher.com

P9K8Z7

मित्र को पत्र

6

सोचिए-बोलिए

AP SCERT

बातचीत के लिए :-

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है ?
2. पत्र में किसे संबोधित किया गया है ?
3. तुम किसे पत्र लिखना चाहते हो ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. छात्र पत्र के महत्व को जानेंगे । (CG-1)
2. छात्र अपने भावों को व्यक्त कर पत्र लिखने की कुशलता को विकास कर सकेंगे । (CG-3)
3. छात्र पत्र के माध्यम से स्वास्थ्य के नियमों का पालन कर सकेंगे । (CG-1)
4. छात्र स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता को जानेंगे । (CG-2)
5. छात्र पढ़े हुए विषय को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कर सकेंगे । (CG-2)

https://amaravathiteacher.com

मित्र को पत्र

विजयवाड़ा,

दिनांक: 23.09.2022.

प्रिय मित्र कृषित,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा है कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । तुम्हारी पढ़ाई अच्छी तरह चल रही होगी । हमें पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना ज़रूरी है । आजकल कोविड़-19 जैसी संक्रामिक बीमारियाँ फैल रही हैं । ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए हम अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखेंगे तो सुरक्षित रह पायेंगे। इसके लिए हमें अच्छी आदतों का पालन करना चाहिए ।

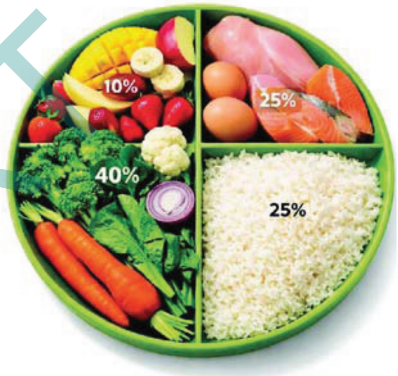

अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन एक महत्वपूर्ण आधार है । इसमें प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज़ लवण आदि सभी पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो हमें अनाज़, दाल, हरी सब्जियाँ, फल, दूध, अंडा आदि में मिलते हैं ।

नियमित रूप से स्वच्छ जल का सेवन करना चाहिए । इससे शरीर में रक्त संचार ठीक रहता है । शरीर का तापमान संतुलित रहता है । आदमी को हर रोज़ कम-से-कम दो से चार लीटर पानी पीना चाहिए ।

1. संतुलित भोजन में क्या-क्या तत्व पाये जाते हैं ?
2. स्वच्छ जल पीने से क्या लाभ हैं ?

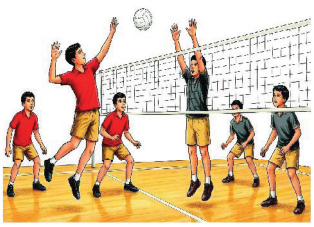

शरीर को स्वस्थ और दृढ़ बनाने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए । जिससे हमारी कार्य कुशलता बढ़ती है । व्यायाम के साथ-साथ कबड्डी, वालीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट जैसे खेल खेलना चाहिए । मानसिक स्वास्थ्य के लिए शतरंज, सुडोकू जैसे खेल भी खेलना चाहिए ।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

शारीरिक और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए आजकल 'योगाभ्यास' को अधिक महत्व दिया जा रहा है। योगाभ्यास सूर्य नमस्कार से आरंभ किया जाता है। इसमें आसन और प्राणायाम का प्रमुख स्थान है। इससे हमारी प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है।

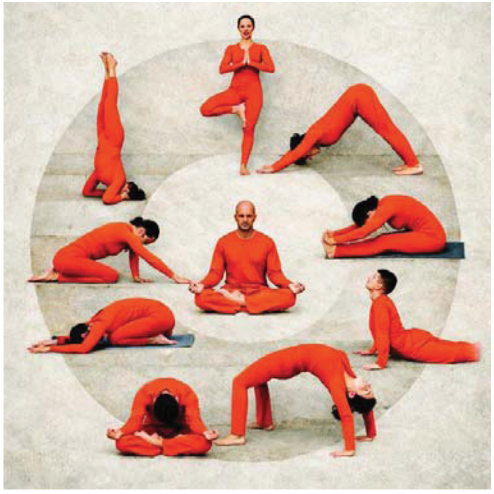

मैं इन नियमों का पालन करके स्वस्थ रहता हूँ। आशा है कि तुम भी इन नियमों का पालन करके स्वस्थ रहो।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
नेथन।

पता:
कृषित,
घर नं : 23-26,
सिंगनगर,
विजयवाड़ा।

AP SCERT

पाठ के मुख्य बिंदु

- इस पाठ में स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया गया है।
- संक्रामिक बीमारी फैलते समय सावधान रहना चाहिए।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता है।
- स्वच्छ जल के सेवन से रक्त संचार और शरीर का तापमान संतुलित रहता है।
- शरीर को चुस्त और दृढ़ बनाने के लिए व्यायाम करना चाहिए।
- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए 'योगाभ्यास' भी करना चाहिए।
- इन नियमों का पालन करके हम स्वस्थ रह सकते हैं।

श्रुतलेख :-

ध्यान	संक्रामिक	सावधान	सुरक्षित	प्रोटीन
कार्बोहाइड्रेट	स्वस्थ	दृढ़	व्यायाम	योगाभ्यास

https://amaravathiteacher.com

शब्दार्थ

पढ़ाई = చదువు, अध्ययन, Studies

महत्वपूर्ण = ముఖ్యమైన , मुख्य, Important

नियमित = నియమానుసారం, नित्य, Regularly

प्रतिरोधक = నిరోధకం, रोकनेवाला, Resistant

संक्रामिक = అంటువ్యాధి, जो संसर्ग से फैलता हो, Contagious

तनाव = ఒత్తిడి, परेशानी, Tention

आदत = అలవాటు, अभ्यास, Habit

शतरंज = చదరంగం, चतुरंग,Chess

सुनिए-बोलिए

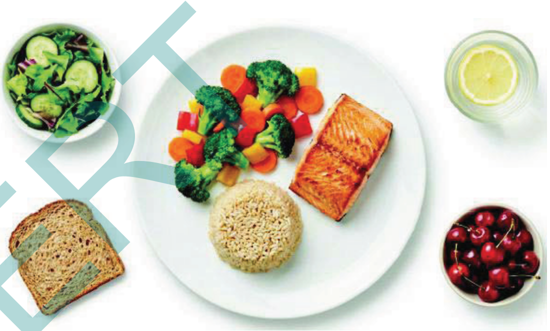

1. संतुलित भोजन में क्या-क्या होना चाहिए ?
2. व्यायाम करने से क्या लाभ हैं ?
3. अच्छी आदतें क्या - क्या हैं ?

पढ़िए

AP SCERT

अ) पाठ पढ़कर वाक्यों की सही जोड़ी बनाइए ।

1. तुम्हारी पढ़ाई अच्छी (ई) अ) भोजन एक महत्वपूर्ण आधार है
2. शरीर का तापमान ( ) आ) हमारी कार्य कुशलता बढ़ती है
3. इसमें आसन और ( ) इ) संतुलित रहता है ।
4. अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित ( ) ई) तरह चल रही होगी ।
5. व्यायाम करना चाहिए जिससे ( ) उ) प्राणायाम का प्रमुख स्थान है ।

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. आशा है कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । (1)
2. आजकल 'योगाभ्यास' को अधिक महत्व दिया जा रहा है । ( )
3. इससे शरीर में रक्त संचार ठीक रहता है । ( )
4. ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए । ( )
5. नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए । ( )

https://amaravathiteacher.com

इ) पाठ के आधार पर उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए ।

1. हमें .... के साथ-साथ .... पर भी ध्यान देना जरूरी है ।
2. .... रूप से स्वच्छ जल का .... करना चाहिए ।
3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए ...., ... जैसे खेल भी खेलना चाहिए ।
4. योगाभ्यास में .... और .... का प्रमुख स्थान हैं ।
5. योगाभ्यास .... नमस्कार से .... किया जाता है ।

ई) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. आशा है कि तुम भी इन नियमों का ....
2. व्यायाम के साथ-साथ कबड्डी, वालीबॉल, ...
3. जो हमें अनाज़, दाल, हरी सब्जियाँ, ...
4. इसके लिए हमें अच्छी ....

उ) गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

'आयुष्मान भारत' केंद्र सरकार की एक स्वास्थ्य योजना है । इस योजना को पूरे भारत में 1 अप्रैल 2018 से लागू किया गया था । इसके अंतर्गत हर लाभार्थी को पाँच लाख रुपयों का बीमा दिया जाता है । इस योजना से इलाज कराने पर अस्पतालों का जो खर्च आता है, उसे सरकार की ओर से चुकाया जाता है । लगभग दस करोड़ परिवार इस योजना से लाभ उठा रहे हैं ।

1. केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना का नाम क्या है ?

   ....

2. यह योजना कब से लागू की गयी ?

   ....

3. लाभार्थी को कितने रूपयों का बीमा दिया जाता है ?

   ....

4. इस योजना की विशेषता क्या है ?

   ....

5. इस योजना से कितने परिवार लाभ उठा रहे हैं ?

   ....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. स्वच्छ जल पीना चाहिए । क्यों ?
2. योगाभ्यास के बारे में तीन वाक्य लिखिए ।
3. खेलों से क्या लाभ हैं ?
4. पत्र लेखन में अपने मित्र के स्वास्थ्य को लेकर चिंता दिखाई देती है । इस चिंता में आपको नेथन के कौन-से भाव दिखाई देते हैं ?
5. "मित्र को पत्र" लिखकर नेथन ने स्वस्थ जीवन के प्रति सकारात्मक विचार व्यक्त किए हैं ? इन विचारों का आप पर क्या प्रभाव पड़ा ?

आ) 'मित्र को पत्र' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) दिए गए रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है ।

   ...., ...

2. सफलता का आधार कड़ी मेहनत हैं ।

   ...., ...

3. जल ही जीवन है ।

   ...., ...

4. तुम्हारी स्मरण क्षमता बहुत अच्छी है ।

   ...., ...

5. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा की ख्याति बढ़ रही हैं ।

   ...., ...

विजय, पानी, सेहत, योग्यता, नीर, कीर्ति, जीत, आरोग्य, शक्ति, यश

आ) रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. जीवन में आशा की किरण निराशा को दूर करती है । आशा × निराशा
2. पढ़ाई जीवन का महत्वपूर्ण भाग है, इसे महत्वहीन मत समझना । ....×.........
3. संतुलित भोजन से हमारा स्वास्थ्य असंतुलित नहीं होता । ....×.........
4. व्यायाम से शारीरिक क्षमता बढ़ेगी और अक्षमता दूर हो जाएगी । ....×.........
5. हमारा भारत प्राचीन देश है और यहाँ अनेक नवीन खोज हो रहे हैं । ....×.........

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

श	मी	प	ढ़ा	ई
त	ता	व	क्ष	व्या
रं	प	फ	म	या
ज	मा	ल	ता	म
मा	न	सि	क	श

उदा : व्यायाम

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अनुवाद :- मातृभाषा में अनुवाद कीजिए ।

डाक - घर में पत्रों का बँटवारा होता है । ....

डाकिया हमें चिट्ठियाँ पहुँचाता है । ....

डाक - घर में कार्ड, लिफ़ाफ़ा, स्टैंप आदि बेचते हैं । ....

डाक डिब्बे में हम ख़त डालते हैं । ....

डाक - घर में पैसे भी जमा कर सकते हैं । ....

AP SCERT

अ) उदाहरण के अनुसार आप अपनी डायरी लिखिए ।

यह मेरी डायरी है ।	अब आप अपनी डायरी लिखिए ।
दिनांक : 11-11-2026	....
आज सोमवार है ।	....
मैं ने सबेरे उठा और स्नान किया ।	....
अल्पाहार करके स्कूल गया ।	....
स्कूल में नये विषयों को सीखा ।	....
शाम को घर लौटा ।	....

परियोजना कार्य

विटामिनों के नाम, मिलनेवाले पदार्थों के नाम और उनकी उपयोगिता की तालिका तैयार कीजिए ।

https://amaravathiteacher.com

विटामिन	मिलनेवाले पदार्थ	उपयोगिता

व्याकरणांश

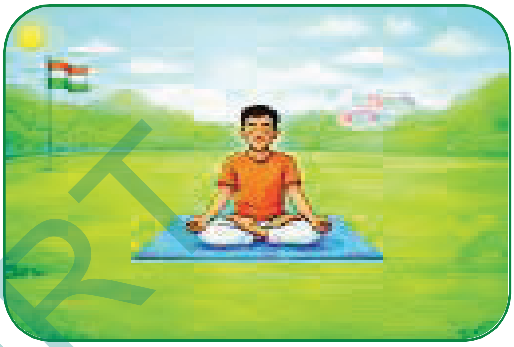

1. मैं **<u>यहाँ</u>** कुशल हूँ ।
2. तुम्हारी पढ़ाई **<u>अच्छी तरह</u>** चल रही होगी ।
3. शरीर में रक्त संचार **<u>ठीक</u>** रहता है ।
4. **<u>ऐसे</u>** समय में सावधान रहना चाहिए ।
5. **<u>आजकल</u>** योगाभ्यास को भी अधिक महत्व दिया जा रहा है ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **यहाँ, अच्छी तरह, ठीक, ऐसे** और **आजकल** जैसे शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं । क्रिया की विशेषता बतानेवाले शब्दों को 'क्रिया विशेषण' कहते हैं । क्रिया विशेषण के चार भेद हैं । वे हैं -

1. **स्थानवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया के स्थान का पता चलता है ।
   उदा : यहाँ, वहाँ, नीचे, ऊपर आदि ।
2. **कालवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया के समय का पता चलता है ।
   उदा : अब, आज, कल, सदा आदि ।
3. **परिमाणवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया की परिमाण का पता चलता है ।
   उदा : कम, बहुत, इतना, उतना आदि ।
4. **रीतिवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया के होने की रीति का पता चलता है ।
   उदा : ऐसा, वैसे, धीरे-धीरे, तेज आदि ।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

अ) दिए गए वाक्यों में क्रिया विशेषण शब्दों को रेखांकित करके लिखिए ।

1. रानी प्रतिदिन पढ़ती है । ....
2. बच्चे बाहर खेलते हैं । ....
3. लीला परसों आयेगी । ....
4. दादी धीरे-धीरे चलती है । ....
5. रवि ने लड्डू खूब खाये । ....

क्या आप जानते हैं ?

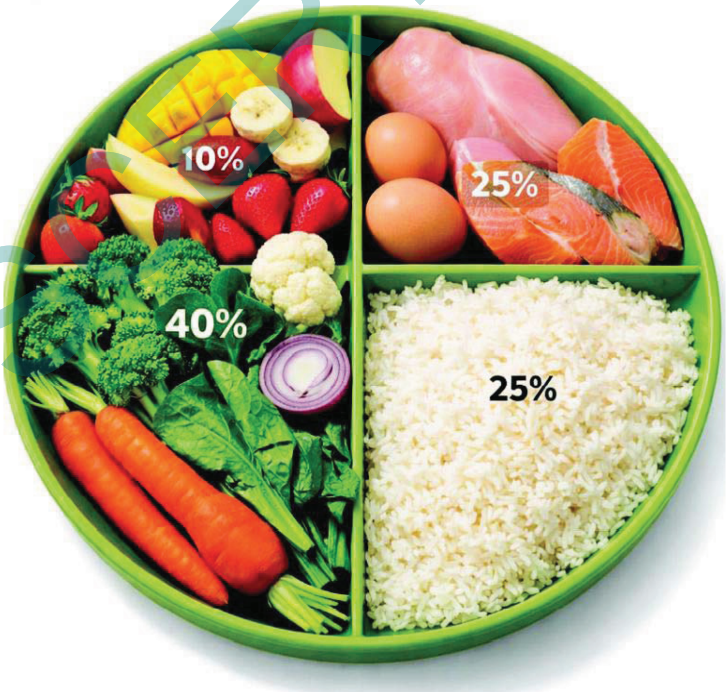

संतुलित भोजन के लिए चाहिए ।

सब्जियाँ	40%
अनाज	25%
प्रोभूजिन	25%
फल	10%

अध्यापक के लिए सूचना :-

'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जानकारी इकट्ठा करके छात्रों को बताइए ।

समूह गतिविधि

अध्यापक के लिए सूचनाएँ:-

- अच्छी आदतों की सूची तैयार करवाइए ।
- स्वस्थ रहने के उपाय बताइए ।
- योगाभ्यास के चित्र इकट्ठा करवाइए ।

अच्छी आदतें

* हमेशा सच बोलना ।
* जन्मदिन पर पौधे लगाना ।
* दूसरों की मदद करना ।

https://amaravathiteacher.com

गोल

7

सोचिए-बोलिए

बातचीत के लिए :-

1. बच्चे क्या कर रहे हैं ?
2. किसान क्या कर रहा है ?
3. बच्चों को खेल क्यों पसंद हैं ?

सीखने की संप्राप्तियाँ :-

1. खेलों के महत्व और लाभों को जान सकेंगे । (CG-2)
2. छात्र चतुराई से खेलना सीख सकेंगे । (CG-1)
3. छात्र आत्मविश्वास की भावना को बढ़ा सकेंगे । (CG-1)
4. सकारात्मक भावनाओं को अपना सकेंगे । (CG-1)
5. छात्र व्याकरणांश जानकर दिए गए अभ्यास कर सकेंगे । (CG-3)

https://amaravathiteacher.com

विषय प्रवेश

खेल मानव जीवन का अभिन्न अंग है। भारत में खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है। खेलों में उत्तम प्रतिभा दिखा कर भारत का नाम रोशन करनेवाले कई खिलाड़ी हैं। यह पाठ एक प्रसिद्ध खिलाड़ी के संस्मरण का एक अंश है। आइए उस खिलाड़ी के बारे में जानेंगे।

गोल

खेल के मैदान में धक्का - मुक्की और नोंक-झोंक की घटनाएँ होती रहती हैं । खेल में तो यह सब चलता ही है । जिन दिनों हम खेला करते थे उन दिनों में भी यह सब चलता था ।

सन् 1933 की बात है । उन दिनों में मैं "पंजाब रेजिमेंट" की ओर से खेला करता था । एक दिन "पंजाब रेजिमेंट" और "सैंपर्स एंड़ माइनर्स टीम" के बीच मुकाबला हो रहा था । "माइनर्स टीम" के खिलाड़ी मुझसे गेंद छीनने की कोशिश करते, लेकिन उनकी हर कोशिश बेकार जाती । इतने में एक खिलाड़ी ने गुस्से में आकर हाँकी स्टिक से मेरे सिर पर दे मारी । मुझे मैदान से बाहर ले जाया गया ।

1. किन टीमों के बीच मुकाबला हो रहा था ?

थोड़ी देर बाँद मैं पट्टी बाँधकर फिर मैदान में आ पहुँचा । आते ही "मैंने उस खिलाड़ी की पीठ पर हाथ रखकर कहा, "तुम चिंता मत करो, इसका बदला मैं जरूर लूँगा।" मेरे इतना कहते ही वह खिलाड़ी घबरा गया । अब हर समय मुझे ही देखता रहता

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

कि मैं कब उसके सिर पर हॉकी स्टिक से मारने वाला हूँ। मैं ने एक के बाद एक झटपट छः गोल कर दिए। खेल खत्म होने के बाद मैंने फिर उस खिलाड़ी की पीठ थपथपाई और कहा "दोस्त खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं, मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है।

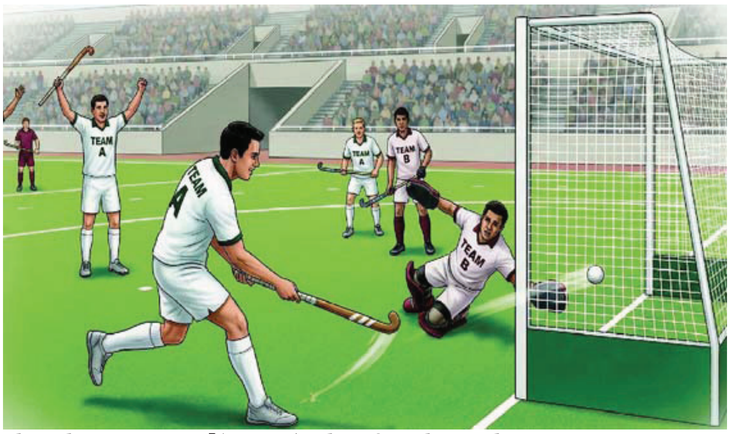

अगर तुम मुझे हॉकी स्टिक से नहीं मारते तो शायद मैं तुम्हें दो ही गोल से हराता।" वह खिलाड़ी सचमुच बड़ा शर्मिंदा हुआ। तो देखा आपने मेरा बदला लेने का ढंग ? सच मानो, बुरा काम करनेवाला आदमी हर समय इस बात से डरता रहता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।

आज मैं जहाँ भी जाता हूँ, बच्चे व बूढ़े मुझे घेर लेते हैं और मुझसे मेरी सफलता का राज़ जानना चाहते हैं। मेरे पास सफलता का तो कोई गुरू-मंत्र तो है नहीं। हर किसी से यही कहता कि लगन, साधना और खेल भावना ही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।

2. सफलता के सबसे बड़े मंत्र क्या हैं ?

16 साल की उम्र में मैं "फर्स्ट ब्राह्मण रेजिमेंट" में एक साधारण सिपाही के रूप में भर्ती हो गया। उस समय हमारी रेजिमेंट के सूबेदार मेजर तिवारी थे। वे बार-बार मुझे हॉकी खेलने के लिए कहते। उस समय तक मैं एक नौसिखिया खिलाड़ी था। जैसे-जैसे मेरे खेल में निखार आता गया, वैसे-वैसे मुझे तरक्की भी मिलती गई।

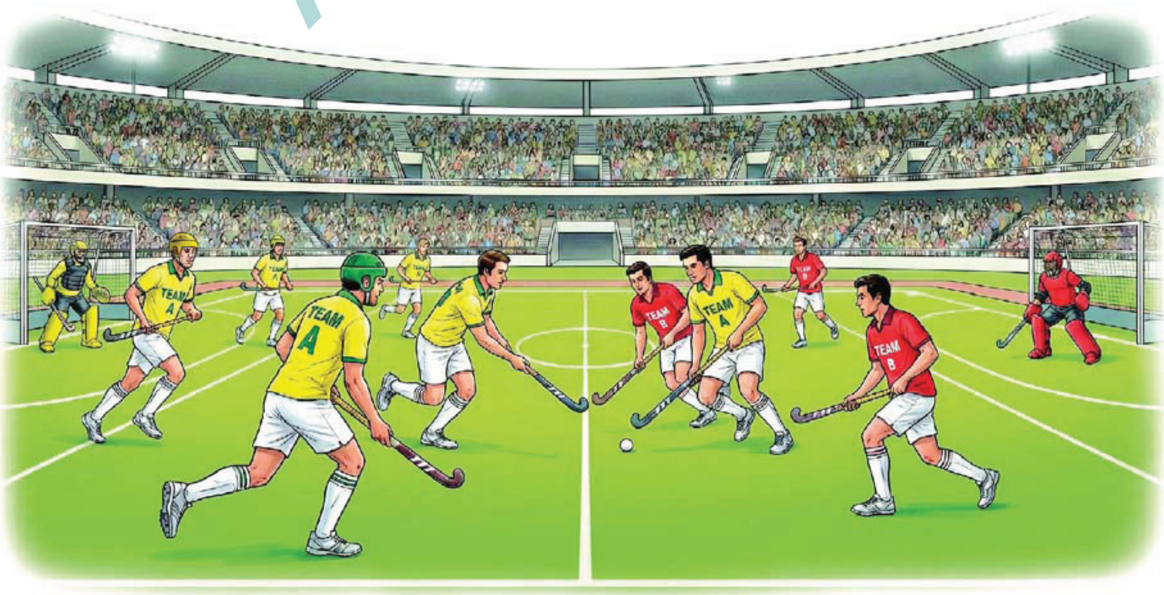

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

भारतीय हॉकी टीम ने 1936 के बर्लिन ओलंपिक में जीत दर्ज की।

सन् 1939 में बर्लिन ओलंपिक में मुझे कप्तान बनाया गया । उस समय मैं सेना में लांस नायक था । बर्लिन ओलंपिक में लोग मेरे हॉकी खेलने के ढंग से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मुझे ''हॉकी का जादूगर'' कहना शुरू कर दिया । इसका मतलब नहीं कि सारे गोल मैं ही करता था । मेरी तो हमेशा यह कोशिश रहती कि मैं गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दे दूँ ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए । अपनी इसी खेल भावना के कारण मैंने दुनिया के खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया । बर्लिन ओलंपिक में हमें स्वर्ण पदक मिला । खेलते समय मैं हमेशा इस बात का ध्यान रखता था कि हार या जीत मेरी नहीं, बल्कि पूरे देश की है ।

- मेजर ध्यानचंद

3. खेलते समय ध्यानचंद की सोच क्या थी ?

लेखक का परिचय

लेखक का नाम	:	मेजर ध्यानचंद
काल	:	1905 - 1979
उपाधि	:	हॉकी का जादूगर
पुरस्कार	:	पद्म भूषण
विशेषता	:	29 अगस्त, उनके जन्मदिन पर भारत का राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना ।

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

पाठ के मुख्य बिंदु

- एक दिन पंजाब रेजिमेंट और 'सैंपर्स एंड माइनर्स टीम' के बीच हॉकी मैच चल रहा था ।
- गोल न बनने के आक्रोश में 'माइनर्स टीम' के एक खिलाड़ी ने ध्यानचंद के सिर पर हॉकी स्टिक से मारा ।
- थोड़ी देर के बाद ध्यानचंद सिर पर पट्टी बाँधकर फिर मैदान में आ पहुँचा।
- उन्होंने एक के बाद एक झटपट छः गोल मारकर ''माइनर्स टीम'' को हरा दिया।
- उनके हॉकी खेलने के ढंग से प्रभावित होकर तब से उनको 'हॉकी का जादूगर' पुकारने लगे ।
- बर्लिन ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक मिला ।
- ध्यानचंद के अनुसार लगन, साधना और खेल भावना ही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं ।

श्रुतलेख :-

धक्का-मुक्की	नोंक-झोंक	शर्मिंदा	घेर लेना
रेजिमेंट	हॉकी स्टिक	थपथपाना	कप्तान

शब्दार्थ

धक्का-मुक्की	= తోపులాట	= छीना-झपटी	= Push and shove
नोंक-झोंक	= గొడవ పడుట	= आपसी तकरार	= Squabbling
मुकाबला	= పోటీ	= प्रतिद्वंद्विता	= Competition
झटपट	= వెంటనే	= तुरंत	= Immediately
शर्मिंदा	= సిగ్గుపడు	= लज्जित	= Ashamed
घेर लेना	= చుట్టుముట్టు	= चारों ओर से रोकना	= To Surround
गुस्सा	= కోపం	= क्रोध	= Anger

APSCERT

https://amaravathiteacher.com

सुनिए-बोलिए

1. कुछ हॉकी के खिलाड़ियों के नाम बताइए ?
2. हॉकी में गोल कहाँ किया जाता है ।
3. क्या आपको हॉकी पसंद है ? क्यों ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में "हाँ" या "नही" लिखिए ।

1. ध्यानचंद सैंपर्स एंड माइनर्स टीम की ओर से खेला करता था । (   )
2. खेल के मैदान में धक्का-मुक्की होती रहती है । (   )
3. एक खिलाड़ी गुस्से में आकार हॉकी स्टिक से ध्यानचंद के कंधे पर दे मारी। (   )
4. सन् 1936 में बर्लिन ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक मिला । (   )
5. ध्यानचंद को "हॉकी का जादूगर" कहना शुरु कर दिया । (   )

AP SCERT

आ) पाठ के आधार पर उचित शब्द से रिक्त स्थान भरिए ।

1. थोड़ी देर बाद में .... बाँधकर फिर मैदान में आ .... ।
2. तुम .... मत करो, इसका .... मैं जरूर लूँगा ।
3. दोस्त .... में इतना .... अच्छा नहीं ।
4. उन्होंने .... हॉकी का .... कहना शुरू कर दिया ।
5. हार या .... मेरी नहीं बल्कि पूरे .... की हैं ।

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. थोड़ी देर के बाद मैं .... ।
2. अब हर समय मुझे ही देखता रहता कि .... ।

https://amaravathiteacher.com

3. मेरे पास सफलता का .... ।

4. वे बार-बार मुझे .... ।

5. अपनी इसी खेल भावना के कारण .... ।

ई) गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

पी.वी. सिंधु का जन्म 4 जुलाई 1995 हैदराबाद, तेलंगाना में हुआ था । वे भारत की एक प्रमुख बैड़मिंटन खिलाड़ी हैं । उन्होंने गोपीचंद बैड़मिंटन अकादमी में प्रशिक्षण लिया और 18 साल की उम्र में ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना छाप कायम कर लिया । उन्होंने रियो 2016 में रजत पदक और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीते हैं । वे विश्व चैंपियन बननेवाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं । उन्हें 2015 में पद्मश्री और 2020 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया ।

1. पी. वी. सिंधु का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

....

2. पी. वी. सिंधु ने कहाँ प्रशिक्षण लिया ?

....

3. पी. वी. सिंधु ने कौन-कौन से पदक जीते ?

....

4. बैडमिंटन में विश्व चैंपियन बननेवाली पहली भारतीय खिलाड़ी कौन है ?

....

5. सन् 2020 में पी.वी. सिंधु को किस उपाधि से सम्मानित किया गया ?

....

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

लिखिए

अ) दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. ध्यानचंद सैंपर्स एंड माइनर्स टीम के खिलाफ खेलते समय क्या हुआ ?
2. ध्यानचंद के बदला लेने का ढंग कैसा था ?
3. ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' क्यों कहते हैं ?
4. 'मेजर ध्यानचंद' के बारे में अपने शब्दों में लिखिए ?
5. पाठ में लेखक ने अपने विरोधी खिलाड़ी के प्रति क्रोध को किस प्रकार नियंत्रित किया और यह उसके साहित्यिक संवेदनशीलता को कैसे दर्शाता है ?
6. लेखक की खेल भावना और सहयोगिता को देखते हुए बताइए कि उसकी संवेदनशीलता ने टीम और विरोधी खिलाड़ी के मनोभाव पर क्या प्रभाव डाला?

आ) "गोल" पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

भाषांश

अ) दिए गए रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए।

प्रयास, प्रयत्न, हस्त, कर, उन्नति, विश्व, विकास, संसार, भय, त्रास

1. <u>कोशिश</u> के बिना सफलता नहीं मिलती।

   ...., ...

2. मेरे <u>हाथ</u> की लिखावट अच्छी है।

   ...., ...

3. सही दिशा में मेहनत करने से जीवन में <u>तरक्की</u> मिलेगी

   ...., ...

4. प्रदूषण से <u>दुनिया</u> को बचाना है। ...., ...
5. साँप को देखकर वह <u>डर</u> गया । ...., ...

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com

आ) रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. सज्जन **भलाई** करते हैं तो दुर्जन **बुराई** । भलाई X बुराई
2. **हार** के आगे जीत होती है । हार X ....
3. तुम **चिंता** मत करो, निश्चिंत रहो । चिंता X ....
4. **असफलता** ही सफलता की पहली सीढ़ी है । असफलता X ....
5. **साधारण** लोग भी असाधारण प्रतिभा से सबको चकित कर देते हैं । साधारण X ....

AP SCERT

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

स	च	मु	च	खि
हाँ	की	हा	र	ला
मु	का	ब	ला	ड़ी
को	शि	श	गो	ल
स	फ	ल	ता	ब

उदा : सफलता

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अनुवाद :- **हिंदी में अनुवाद कीजिए ।**

1) ఇది ఒక పెద్ద మైదానం. ....
2) మైదానంలో స్వచ్ఛమైన గాలి లభిస్తుంది. ....
3) ఈ మైదానం పచ్చగా ఉంటుంది. ....
4) మేము మైదానంలో ఆడుకోవడానికి వెళతాము. ....
5) మేము మైదానంలో హాకీ కూడా ఆడతాము. ....

https://amaravathiteacher.com

अ) दिए गए खिलाड़ियों के चित्रों को खेल सामग्री के चित्रों से जोड़िए ।

AP SCERT

परियोजना कार्य

ओलंपिक खेलों में पदक जीतनेवाले भारतीय खिलाड़ी और उनके खेल की सूची तैयार कीजीए ।

व्याकरणांश

मूल शब्द	प्रत्यय/परसर्ग	नया शब्द
जादू	गर	जादूगर
सेना	इक	सैनिक
सफल	ता	सफलता
देश	ई	देसी
सम्मान	इत	सम्मानित

https://amaravathiteacher.com

ऊपर दी गई तालिका में **गर, इक, ता, ई** और **इत** जैसे शब्दों के अंश किसी शब्द के अंत में लगाकर उनके अर्थ में परिवर्तन करते हैं, ऐसे शब्दांश ''प्रत्यय'' या ''परसर्ग'' कहलाते हैं ।

अ) रेखांकित शब्दों में प्रत्यय/परसर्ग पहचानिए ।

1. इस <u>कारीगर</u> में बहुत <u>कुशलता</u> है ।   ....
2. हमारी <u>मित्रता</u> गहरी है ।   ....
3. <u>दूधवाला</u> दूध लाया है ।   ....
4. भगवान <u>कृपालु</u> है ।   ....
5. <u>दूकानदार</u> सामान बेचता है ।   ....

मैरी कॉम एक भारतीय ओलंपिक मुक्केबाज है । वह छः बार विश्व एमेच्योर मुक्केबाजी चैंपियनशिप जीतनेवाली एक मात्र महिला है । अपनी शादी और बच्चों के बाद मुक्केबाजी में सफल वापसी की और भारत के प्रमुख खिलाड़ियों में अपना नाम बनाई है ।

अध्यापकों के लिए सूचना :-

पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में रुचि बढ़ाने के लिए किसी एक महान प्रेरणादायक खिलाड़ी का परिचय दीजिए ।

जीतनेवाले हमेशा कुछ अलग नहीं करते बल्कि वही चीज़ वे अलग तरीके से करते हैं - शिव खेड़ा

AP SCERT

https://amaravathiteacher.com